आश्विन शुक्ल - 14 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 73 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 06-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार चलाने की क्षमता खो चुके नीतीश कुमार : तेजस्वी यादव

6 मूल्यों के बिना ज्ञान जड़हीन व ज्ञान के बिना मूल्य शक्तिहीन

7 नेहा कक्कड़ के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर झूमी एट्रेस श्वेता शर्मा

फर्स्ट टेक

भारत, ब्रिटेन ने हिंद महासागर में बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन की नौसेनाओं ने समग्र सैन्य संबंधों को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य के अनुरूप पश्चिमी हिंद महासागर में आठ दिवसीय व्यापक युद्धाभ्यास शुरू किया। विमानवाहक पोत एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स के नेतृत्व में ब्रिटेन के 'कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' (सीएसजी) को 'कोंकण' युद्धाभ्यास के लिए तैनात किया गया है। भारतीय नौसेना ने कहा कि यह अभ्यास सुरक्षित, खुले और मुक्त समुद्र सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि है और यह 'भारत-ब्रिटेन विजन 2035' में रेखांकित व्यापक रणनीतिक साझेदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य समुद्र में ब्रिटेन और भारतीय नौसेनाओं के बीच संयुक्त समुद्री और हवाई क्षमताओं को बढ़ाना है।

अमेरिकी राज्य अलबामा में बंदूकधारियों ने भीड़ पर गोलीबारी की

मोंटगोमेरी/एपी। अमेरिकी राज्य अलबामा की राजधानी मोंटगोमेरी के भीड़भाड़ वाले इलाके में शनिवार रात दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मोंटगोमेरी के पुलिस प्रमुख जेम्स ग्रेबॉयज़ के अनुसार, घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। पुलिस को रात करीब 11:30 बजे घटना की जानकारी मिली। ग्रेबॉयज़ ने पत्रकारों से कहा, इसमें दो पक्ष शामिल थे जो एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे और उस दौरान भीड़ थी। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने ''गोलियां चलाते वक्त वहां मौजूद अन्य लोगों की परवाह नहीं की।

इजराइल और हमास मिस्र में वार्ता की तैयारी में

काहिरा/एपी। इजराइल और हमास ने सोमवार को मिस्र में अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए तैयारी की और इसके साथ ही संभावित युद्ध विराम की उम्मीदें बढ़ने लगी हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस सप्ताह युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई हो सकती है। यह वार्ता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आतंकवादी समूह के इस बयान का स्वागत करने के बाद होगी कि उसने अमेरिकी योजना के कुछ तथ्यों को स्वीकार कर लिया है। इजराइल ने पहले कहा था कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका के नये प्रयास का समर्थन करता है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा कि मिस्र सोमवार को इजराइल और हमास के प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करेगा, जिसमें फलस्तीनी कैदियों के बदले इजराइली बंधकों के प्रस्तावित आदान-प्रदान पर चर्चा की जायेगी।

सूर्यास्त 05-10-2025	सूर्योदय 06-10-2025
5:55 बजे	5:58 बजे

BSE	NSE
81,207.17	24,894.25
(+223.86)	(+57.95)

सोना	चांदी
11,890 रु.	159,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भ्रम जाल

अवतारी परम पुरुष खुद को,
बाबा बतलाते रहते हैं।
कष्टों के मुक्ति प्रदाता बन,
छल से भरमाते रहते हैं।
उस निराकार को पाने हित,
हम दाँव लगाते रहते हैं।
झूठों के झाँसों में फँस कर,
बस सदा ठगाते रहते हैं।।

विदाई

मैसूरु दशहरा उत्सव के दौरान लाखों लोगों को आकर्षित करने वाले हाथी अभिमन्यु और उनके साथियों को रविवार को मैसूरु पैलेस में जिला प्रशासन की ओर से गर्मजोशी से विदाई दी गई।

भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो पर

'हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं': भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सतना (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि चाहे कोई खुद को किसी भी भाषा या संप्रदाय का माने, लेकिन सच्चाई यह है कि ''हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं। भागवत ने यहां सिंधी कैंप स्थित गुरुद्वारा का उद्घाटन करने के बाद स्थानीय बीटीआई मैदान में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

इस अवसर पर उन्होंने अखंड भारत की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा, जो लोग अपना घर और मकान वहां छोड़कर आए हैं, कल वापस लेकर फिर से डेरा डालना है।

संघ प्रमुख ने कहा, आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम एक टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। एकता चाहिए... झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी भाषा या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं। हम सब लोग हिन्दू हैं।

भागवत ने कहा कि एक चतुर अंग्रेज यहां आया, हमसे लड़ाई की, हमें हराकर हम पर राज किया। उन्होंने कहा, उसने हमारे हाथ से आध्यात्मिकता का दर्पण छीन लिया और उसकी जगह भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग-अलग मानने लगे और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि बंटवारे के समय सिंधी समुदाय के लोग पाकिस्तान नहीं गए, बल्कि वे अविभाजित भारत आए। उन्होंने कहा, जो लोग अपना घर छोड़कर आए हैं, और जिनका घर, कपड़े और जमीन हड़प ली गई, उन्हें कल वापस लेकर फिर से वहीं डेरा डालना है।

भागवत ने कहा कि नई पीढ़ी को इस दिशा में विचार करना चाहिए।

दार्जिलिंग पहाड़ियों में भारी बारिश से बड़े पैमाने पर भूस्खलन में 20 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के मिरिक और दार्जिलिंग पहाड़ियों में रविवार को लगातार बारिश के कारण हुए भारी भूस्खलन में कई बच्चों सहित कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के कारण कई घर बह गए, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया तथा सैकड़ों पर्यटक फंस गए। एनडीआरएफ और जिला प्रशासन द्वारा संकलित रिपोर्ट के अनुसार, कई स्थानों - सरसली, जसबीरगांव, मिरिक बस्ती, धार गांव (मेची), नागराकाटा और मिरिक झील क्षेत्र से लोगों के मारे जाने की खबर है। उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने जान-माल के नुकसान को दुखद बताते हुए बताया कि स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा, अभी तक मृतकों की संख्या 20 है। यह संख्या बढ़ने की आशंका है। मैं इलाके के लिए रवाना हो रहा हूं। एनडीआरएफ बयान के अनुसार, भूस्खलन से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र मिरिक में 11 लोगों की मौत हो गई और सात घायलों को क्षेत्र से बचा लिया गया है। दार्जिलिंग में सात लोगों की मौत हो गई और पुलिस, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रतिक्रिया टीमों की मदद से बचाव अभियान जारी है।

हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारी बारिश एवं भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा उनकी सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दुःख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग तथा आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में

भारत की 'लक्ष्मण रेखाओं' का सम्मान होना चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध गंभीर तनाव में हैं।
- भारत ने अमेरिका की कार्रवाई को अनुचित, अवांछित और तर्कहीन करार दिया।

नई दिल्ली/भाषा। आयात शुल्क (टैरिफ) पर वाशिंगटन की नीति को लेकर भारत-अमेरिका के संबंधों में तनाव के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी व्यापार समझौते में नई दिल्ली की 'लक्ष्मण रेखाओं' का सम्मान किया जाना चाहिए। जयशंकर ने यह भी कहा कि इस बारे में 'साझा आधार' खोजने के प्रयास किये जा रहे हैं।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम के संवाद सत्र में स्वीकार किया कि भारत और अमेरिका के बीच कुछ मुद्दे हैं, और इनमें से कई प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप न दिए जाने से जुड़े हुए हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर समझ बनाना जरूरी है, क्योंकि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की लक्ष्मण रेखाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

जयशंकर कौटिल्य इकोनॉमिक एन्क्लेव में ''उथल-पुथल के दौर में विदेश नीति का स्वरूप'' विषय पर आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे।

जयशंकर ने कहा, आज हमारे सामने अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि हम अपनी व्यापार वार्ता के लिए किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाए हैं और अब तक वहां तक पहुंचने में असमर्थता के कारण भारत पर एक निश्चित शुल्क लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, एक दोहरा शुल्क भी है, जिसे लेकर हमने सार्वजनिक रूप से कहा है कि हम उसे बेहद अनुचित मानते हैं। यह शुल्क हमें रूस से ईंधन खरीदने को लेकर निशाना बनाता है, जबकि कई अन्य देश भी ऐसा कर रहे हैं- उनमें वे देश भी शामिल हैं, जिनके रूस के साथ वर्तमान में हमारे मुकाबले कहीं अधिक टकरावपूर्ण संबंध हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध गंभीर तनाव में हैं। इसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

भारत ने अमेरिका की इस कार्रवाई को अनुचित, अवांछित और तर्कहीन करार दिया। हालांकि, पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित व्यापार समझौते पर काम करने के प्रयास हुए।

तेलंगाना के विधायक राजा सिंह पर मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। मध्यप्रदेश में हाल ही में आयोजित एक बैठक में पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए तेलंगाना के गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हैदराबाद पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सिंह के पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसके बाद लोगों के एक समूह ने शनिवार को शालीबंदा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। सिंह हिंदुत्व के समर्थन में बयान देने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले, उन्हें अगस्त 2022 में इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित टिप्पणियों के लिए गिरफ्तार किया गया था।

दुर्गा मूर्ति विसर्जन यात्रा के दौरान कटक में हुई ताजा हिंसा

कटक में हिंसा की ताजा घटनाओं के बाद इंटरनेट बंद, निषेधाज्ञा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा सरकार ने रविवार रात कटक के 13 थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू कर दी। यह निषेधाज्ञा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई सामूहिक झड़प के बाद हिंसा की एक ताज़ा घटना में 25 लोगों के घायल होने के बाद लागू की गई है।

पुलिस आयुक्त एस देवदत्त सिंह ने बताया कि यह आदेश रविवार रात 10 बजे से 36 घंटे के लिए प्रभावी रहेंगे। उन्होंने बताया कि निषेधाज्ञा दरगाह बाजार, मंगलाबाग, छावनी, पुरीघाट, लालबाग, बिदानासी, मरकट नगर, सीडीए फेज-2, मालगोदाम, बादामबाड़ी, जगतपुर, बयालीस मौजा और सदर थाना क्षेत्रों में लागू रहेगी।

राज्य सरकार ने मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए कटक नगर निगम, कटक विकास प्राधिकरण (सीडीए) और आसपास के 42 मौजा क्षेत्र में रविवार शाम सात बजे से सोमवार शाम सात बजे तक इंटरनेट सेवाओं को भी निलंबित कर दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, पुलिस द्वारा जुलूस रोकने के बाद मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे क्षतिग्रस्त कर दिए गए और गौरीशंकर पार्क क्षेत्र की दुकानों में कथित तौर पर आग लगा दी गई।

रैली शहर के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित विद्याधरपुर से शुरू होकर दरगाह बाजार इलाके सहित प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरी, जो शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि को हुई हिंसा का केंद्र था और शहर के पश्चिमी छोर पर सीडीए के सेक्टर 11 में समाप्त हुई। रैली में शामिल व्यक्तियों को शहर में घूमते हुए 'जय श्री राम' के नारे लगाते सुना गया। शांति की अपील करते हुए, माझी ने यह भी कहा कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में माझी ने उपद्रव पर दुख जताया और नागरिकों से सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को 88 रन से हराया, वनडे में अजेय क्रम जारी रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था जबकि पाकिस्तान की यह दूसरी हार है।

कोलंबो/भाषा। भारतीय टीम ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मुकाबले में पाकिस्तान को 88 रन से हराकर इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ वनडे में जीत के सिलसिले को जारी रखा।

भारतीय महिलाओं ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की और वनडे में पाकिस्तान के खिलाफ 12वें मुकाबले में जीत दर्ज कर शत प्रतिशत रिकॉर्ड कायम रखा। विश्व कप में यह पाकिस्तान के खिलाफ उसकी पांचवीं जीत है।

भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था जबकि पाकिस्तान की यह दूसरी हार है।

एशिया कप में भारत की पुरुष टीम की पाकिस्तान की टीम से 'हाथ नहीं मिलाने की नीति' पर कायम रहते हुए भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस के दौरान पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाया। मैच रैफरी द्वारा टॉस के फैसले में हुई गलती के कारण टॉस पाकिस्तान के पक्ष में चला गया जिसने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

भारतीय टीम हरलीन देओल की 65 गेंद में संयम से खेली गई 46 रन की पारी और अंत में रिचा घोष के 20 गेंद में तेजी से बनाए गए नाबाद 35 रन से धीमी पिच पर संघर्ष करते हुए पारी की अंतिम गेंद पर 247 रन के सम्मानजनक स्कोर पर सिमट गई।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम शीर्ष क्रम के चरमराने के उबर नहीं सकी और सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन की 81 रन की जुझारू पारी के बावजूद 43 ओवर में 159 रन पर ढेर हो गई।

सिदरा अमीन ने भारतीय क्षेत्ररक्षकों द्वारा दिए गए जीवनदान का फायदा उठाते हुए 106 गेंद में नौ चौके और एक छक्का जड़ित पारी खेली। उनके अलावा सिर्फ नतालिया परवेज (33 रन) और सिदरा नवाज (14 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी।

भारत के लिए क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने तीन तीन विकेट झटके जबकि स्नेह राणा को दो विकेट मिले।

पाकिस्तान ने 26 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने कभी भी पाकिस्तान की बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और लगातार अंतराल पर विकेट झटकना जारी रखा।

दीप्ति ने चौथे ओवर में सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली को रन आउट कराया। क्रांति गौड़ ने सदफ को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया और आलिया रियाज को अपना दूसरा शिकार बनाया जिससे पाकिस्तान ने 26 रन पर तीन विकेट गंवा दिए।

सिदरा अमीन 40वें ओवर तक एक छोर पर डटी रहीं जिसमें उन्हें थोड़ी देर के लिए नतालिया का साथ मिला। लेकिन दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे।

पीएम-सेतुः औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के उन्नयन के लिए 60,000 करोड़ रुपए की योजना

नई दिल्ली/भाषा। देश में पीएम-सेतु योजना के तहत विश्वसनीय उद्योग भागीदारों के साथ मिलकर विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) स्थापित किए जाएंगे। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि ये एसपीवी क्लस्टरों का प्रबंधन करेंगे और परिणाम-आधारित प्रशिक्षण सुनिश्चित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शनिवार को शुरू की गई प्रधानमंत्री कौशल एवं पीएम-सेतु योजना के तहत देशभर के 1,000 सरकारी आईटीआई संस्थानों को आधुनिक और उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण केंद्रों में बदलने की तैयारी है। इस योजना के अंतर्गत नए और मांग के अनुरूप प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा इस योजना के तहत मौजूदा पाठ्यक्रमों को भी उद्योगों के सहयोग से नया रूप दिया जाएगा। यह योजना दीर्घकालिक डिप्लोमा, अल्पकालिक पाठ्यक्रम और कार्यकारी कार्यक्रमों के लिए मार्ग बनाने में भी मदद करेगी। पीएम-सेतु (उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार रूपांतरण) 'केंद्र एवं शाखा' मॉडल का अनुसरण करेगा, जिसमें 200 केंद्र आईटीआई को 800 शाखा आईटीआई से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक केंद्र उन्नत बुनियादी ढांचे, नवाचार और इन्क्यूबेशन केंद्रों, उत्पादन इकाइयों, प्रशिक्षण सुविधाओं और नियोजन सेवाओं से सुसज्जित होगा, जबकि शाखाएं पहुंच का विस्तार करेंगी। इस योजना में भुवनेश्वर (ओडिशा), चेन्नई (तमिलनाडु), हैदराबाद (तेलंगाना), कानपुर (उत्तर प्रदेश), लुधियाना (पंजाब) में पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों को वैश्विक साझेदारी के साथ उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में मजबूत करने की भी परिकल्पना की गई है।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी

शिमला/भाषा। रोहतांग दर्रा और धौलाधर पर्वतमाला सहित हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में रविवार सुबह मौसम की ताजा बर्फबारी हुई, जिसके कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट आई। अधिकारियों ने बताया कि कुल्लू जिला प्रशासन ने रोहतांग दर्रे की ओर वाहनों की आवाजाही स्थगित कर दी है और यात्रियों को इस राजमार्ग से न जाने की सलाह दी है। रविवार तड़के राज्य के ऊंचे और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में तेज बर्फीली हवाएं चलीं, जिसके बाद तेज आंधी आई, बिजली कड़की और रुक-रुक कर बारिश हुई। खबरों के अनुसार, कांगड़ा जिले में धौलाधर पर्वतमाला में भी मौसम की पहली बर्फबारी हुई और आसपास के घाटी क्षेत्रों में बर्फीली हवाएं चलीं, जो सर्दियों के आगमन का संकेत हैं।

राज्य के कई हिस्सों से तूफान और भारी बारिश के कारण पेड़ उखड़ने की खबरें आ रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि शनिवार रात से ओलिंडा में 29 मिमी बारिश हुई, जबकि ब्राह्मणी में 26.4 मिमी, धर्मशाला में 25.5 मिमी, नांगल बांध में 23 मिमी, मलरांव में 22 मिमी, बिलासपुर में 20.4 मिमी, नैनादेवी में 18.1 मिमी और कांगड़ा में 18 मिमी बारिश हुई। कुफरी, जोत, मुरारी देवी, सुंदरनगर, भुंतर, कांगड़ा और शिमला में गरज के साथ बारिश हुई, जबकि रिकांगपिओ, ताबो, बिलासपुर, हमीरपुर, सुंदरनगर और कुकुमसेरी में 30 से 61 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। राज्य भर में न्यूनतम तापमान में एक से तीन डिग्री की गिरावट आई और ताबो 3.1 डिग्री के न्यूनतम तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, इसके बाद केलोंग 3.6 डिग्री, कल्पा और कुकुमसेरी 6.2 डिग्री और कुफरी और नारकंडा 10-10 डिग्री तापमान के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मौसम विभाग ने छह अक्टूबर को छह जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, सिरमौर और लाहौल-स्पीति में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि, भारी से बहुत अधिक बारिश, आंधी, बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मानसून की वापसी के बाद पर्यटकों की आमद भी बढ़ी है। मानसून की वजह से राज्य में 4800 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

बर्मिंघम जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान में आरएटी सक्रिय हुआ, विमान सुरक्षित उतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एअर इंडिया की अमृतसर-बर्मिंघम उड़ान के संचालक दल ने बताया कि शनिवार को हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान बोइंग 787 का 'रैम एयर टर्बाइन' (आरएटी) अप्रत्याशित रूप से सक्रिय हो गया, हालांकि विमान सुरक्षित रूप से नीचे उतर गया। विमानन कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी।

आरएटी दोनों इंजन के काम करना बंद करने या पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक या हाइड्रोलिक विफलता की स्थिति में अपने आप सक्रिय हो जाता है। यह आपातकालीन ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए हवा की गति का उपयोग करता है। एअर इंडिया ने कहा कि उसने अपनी बर्मिंघम-दिल्ली उड़ान रद्द कर दी है क्योंकि विमान को निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया ने एक बयान में कहा, चार अक्टूबर 2025 को अमृतसर से बर्मिंघम जा रही उड़ान संख्या एआई117 के संचालक दल को विमान के उतरने के दौरान 'रैम एयर टर्बाइन' (आरएटी) के सक्रिय होने का पता चला। सभी विद्युत और हाइड्रोलिक पैरामीटर सामान्य पाए गए और विमान बर्मिंघम में सुरक्षित रूप से उतरा।

हालांकि, विमानन कंपनी ने विमान में सवार लोगों की संख्या सहित विशिष्ट विवरण साझा नहीं किए। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जून में एअर इंडिया बोइंग 787 विमान दुर्घटना के कई संभावित कारणों में इंजन या हाइड्रोलिक/इलेक्ट्रिकल विफलता या सॉफ्टवेयर की खराबी को भी शामिल किया जा रहा है।

एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान 12 जून को लंदन गैटविक के लिए एआई 171 संख्या वाली उड़ान संचालित कर रहा था। अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे विमान में सवार 241 लोगों सहित 260 लोग मारे गए।

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) इस दुर्घटना की जांच कर रहा है।

एएआईबी ने इस साल जुलाई में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा था कि बोइंग 787-8 विमान के इंजन ईंधन नियंत्रण स्विच, उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही बंद हो गए थे। एएआईबी के अनुसार, एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया और दूसरे ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।

विमान के उड़ान भरने के लगभग 30 सेकंड के भीतर हुई दुर्घटना पर अपनी 15 पन्नों की प्रारंभिक रिपोर्ट में एएआईबी ने कहा कि ईंधन नियंत्रण स्विच बाद में चालू कर दिए गए थे लेकिन इंजनों में से एक की गति में कमी को रोका नहीं जा सका।

अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग ने पिछले तीन दशक में भारत में हुई सबसे घातक हवाई दुर्घटनाओं में से एक पर चुप्पी बनाए रखी है।

उद्धव-राज की मुलाकात का बीएमसी चुनाव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा : भाजपा

मुंबई/भाषा। भाजपा नेताओं ने रविवार को मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और उनके चचेरे भाई व शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच मुलाकात के बाद गठबंधन की चर्चा को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि इससे बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह मुलाकात उद्धव ठाकरे द्वारा राज के साथ अपने ''दीर्घकालिक'' संबंध की बात कहने के कुछ दिनों बाद हुई है, जिससे दोनों ठाकरे परिवारों के बीच संभावित गठबंधन की चर्चा तेज हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा, भगवान ने उद्धव और राज को एक ही परिवार में भेजा है, लेकिन वे अब भी साथ नहीं रहते। उद्धव द्वारा इस बात पर जोर देने का कोई मतलब नहीं है कि वह और राज एक ही रहेंगे। उन्होंने (उद्धव-राज) दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की साथ रहने की इच्छा को भी नहीं माना था। मुनगंटीवार ने कहा कि वे चाहते हैं कि दोनों चचेरे भाई ''सचमुच एक साथ आएं'' और अगर ऐसा होता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

भाजपा नेता ने कहा कि लोग मराठवाड़ा के किसानों को लेकर ज्यादा चिंतित हैं, जिन्हें अत्यधिक वर्षा के कारण भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ठाकरे बंधुओं ने क्या नाश्ता किया, किसने किसको देखा, या उन्हें कौन सा व्यंजन पसंद आया – लोगों को इन बातों में कोई दिलचस्पी नहीं है। अगर वे उपयोगी सुझाव देते हैं या समाधान पेश करते हैं, तो इसका कुछ मतलब होता। लेकिन अगर वे सिर्फ चुनावों की बात करते हैं, तो लोग इसे पसंद नहीं करेंगे। भाजपा के विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर ने कहा कि उनकी पार्टी को इन चचेरे भाइयों के एक साथ आने से ''कोई फर्क नहीं पड़ता'' है। यह पूछे जाने पर कि क्या दोनों के बीच गठबंधन सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए खतरा बन सकता है, दरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन दावों में कोई सच्चाई है कि सत्तारूढ़ (गठबंधन के) दल इस बात से डरे हुए हैं कि राज और उद्धव गठबंधन कर सकते हैं। यह पूरी तरह से काल्पनिक है। मतदाता चुनाव के दौरान फैसला करेंगे।

सीबीजी और पोटाश संयंत्रों के लिए 15 सहकारी चीनी मिलों को एनसीडीसी से मिलेगा वित्त पोषण : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) और पोटाश उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए देश भर की 15 सहकारी चीनी मिलों को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) से वित्तपोषण के लिए चुना जाएगा। अहिल्यानगर जिले के कोपरगांव तहसील में सहकार महर्षि शंकरराव कोल्हे सहकारी साखर कारखाना में एक सीबीजी इकाई, एक स्प्रे ड्रायर और पोटाश दाना विनिर्माण केंद्र के उद्घाटन पर शाह ने कहा कि ये परियोजनाएं भारत के सहकारी क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ती हैं। उन्होंने कहा, मैं निदेशक विवेक कोल्हे को बताना चाहता हूं कि यह काम पूरे देश में फैलेगा। मोदी सरकार एनसीडीसी से वित्त-पोषण के लिए 15 सहकारी चीनी मिलों का चयन करेगी, ताकि उनके परिसर में ऐसे संयंत्र स्थापित किए जा सकें। यह एक नई शुरुआत होगी।

मंत्री ने कहा कि कोपरगांव में शुरू की गई इकाइयां देश में अपनी तरह की पहली हैं। उन्होंने कहा, पचपन करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सीबीजी संयंत्र प्रतिदिन 12 टन सीबीजी और 75 टन पोटाश का उत्पादन करेगा। ये दोनों उत्पाद वर्तमान में आयात किए जाते हैं और यह पहल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए विदेशी मुद्रा की बचत करेगी। शाह ने कहा कि परियोजना ने सीबीजी की खरीद के लिए गेल, बीपीसीएल, इफको और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स के साथ पहले ही समझौता कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य वृत्तीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) हासिल करना है।

महाराष्ट्र की सहकारी विरासत की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि राज्य ने कभी चीनी सहकारी आंदोलन का नेतृत्व किया था, उसे अब 'सर्कुलर इकोनॉमी' क्षेत्र में अग्रणी होना चाहिए।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला केंद्र के 'विकसित भारत बिल्डथॉन' के ब्रांड एंबेसडर बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईआईएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला 'विकसित भारत बिल्डथॉन' के ब्रांड एंबेसडर हैं। यह एक राष्ट्रव्यापी नवाचार आंदोलन है जो छठी से 12वीं कक्षा तक के स्कूलों के छात्रों को शामिल करने के लिए बनाया गया है।

बिल्डथॉन, अब तक का सबसे बड़ा स्कूल हैकाथॉन है जो देश भर के 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्रों को चार विषयों के तहत प्रोटोटाइप बनाने और डिजाइन करने के लिए प्रेरित करेगा। यह हैकाथॉन शिक्षा मंत्रालय द्वारा अटल नवाचार मिशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शुक्ला विकसित भारत बिल्डथॉन-2025 के ब्रांड एंबेसडर हैं। शनिवार को उन्होंने स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार से मुलाकात की। उन्होंने बिल्डथॉन के दृष्टिकोण और पहलों पर चर्चा की, जो छात्रों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है, ताकि उन्हें विकसित भारत की विकास यात्रा में भविष्य के लिए तैयार योगदानकर्ता बनने के लिए सशक्त किया जा सके। भारतीय वायुसेना के 39 वर्षीय अधिकारी और परीक्षण पायलट ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। यह इसरो और नासा द्वारा समर्थन प्राप्त वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ान थी जिसे एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित किया गया।

पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों से चार बार मिला गिरफ्तार आरोपी, फोन चार्जर उपलब्ध कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा पिछले महीने गिरफ्तार किए गए मोहम्मद यूसुफ कटारी ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों से चार बार मुलाकात की थी और उन्हें एक 'एंड्रॉइड' फोन का चार्जर दिया था तथा इसी एक महत्वपूर्ण सबूत के आधार पर वह पकड़ा गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

कटारी को पहलगाम में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले सुलेमान उर्फ आसिफ, जिबरान और हमजा अफगानी को महत्वपूर्ण रसद सहायता प्रदान करने के आरोप में सितंबर के अंतिम सप्ताह में गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, कटारी (26) ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह श्रीनगर शहर के बाहर जबरवान पहाड़ियों में इन तीनों लोगों से चार बार मिला था।

कई सप्ताह की जांच के बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। यह सफलता 'ऑपरेशन महादेव' के स्थल से प्राप्त सामग्री के गहन फॉरेंसिक विश्लेषण के बाद मिली।

गांधीवादी तरीके से संघर्ष जारी रखें, न्यायिक जांच के आदेश तक जेल में रहने को तैयार : वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। जेल में बंद कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लद्दाख के लोगों से शांति और एकता बनाए रखने तथा राज्य का दर्जा एवं संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों के लिए जारी संघर्ष गांधीवादी तरीके से जारी रखने की अपील की है। यह जानकारी वांगचुक के वकील ने रविवार को दी।

वांगचुक ने यह संदेश 'लेह एपेक्स बॉडी' के कानूनी सलाहकार हाजी मुस्तफा के माध्यम से दिया, जिन्होंने कार्यकर्ता के बड़े भाई के. सेतन दोरजे ले के साथ शनिवार को राजस्थान की जोधपुर जेल में उनसे मुलाकात की।

संदेश में वांगचुक ने कहा कि 24 सितंबर की हिंसा के दौरान चार लोगों के मारे जाने की जब तक स्वतंत्र न्यायिक जांच नहीं हो जाती, तब तक ''मैं जेल में रहने के लिए तैयार हूं। उन्हें 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत लेह में हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के दर्जे की मांग को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इस प्रदर्शन में चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सोमवार को सुनवाई निर्धारित है, जिसमें उन्होंने जलवायु कार्यकर्ता की रासुका के तहत हिरासत को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। मुस्तफा ने रविवार को वांगचुक से मिलने के बाद, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' और फेसबुक सहित अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट पर वांगचुक का ''संदेश'' पोस्ट किया।

वांगचुक ने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से ठीक हूं तथा सभी की चिंता और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और जो लोग घायल तथा गिरफ्तार हुए हैं, उनके लिए मैं प्रार्थना करता हूं।

उन्होंने कहा कि चार लोगों के मारे जाने की स्वतंत्र न्यायिक जांच होनी चाहिए और जब तक ऐसा नहीं होता, मैं जेल में रहने को तैयार हूं।

बाल ठाकरे के निधन को लेकर कदम की टिप्पणी 'घृणित': सुप्रिया सुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) की वरिष्ठ नेता सुप्रिया सुले ने बाल ठाकरे के निधन के संबंध में शिवसेना नेता रामदास कदम की टिप्पणी को रविवार को घृणास्पद करार दिया।

कदम ने इस सप्ताह की शुरुआत में आयोजित दशहरा रैली के दौरान शिवसेना संस्थापक के निधन को लेकर सनसनीखेज दावे किए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2012 में बाल ठाकरे के निधन की औपचारिक घोषणा किए जाने से पहले उनके पार्थिव शरीर को दो दिन तक मातोश्री (बांद्रा स्थित ठाकरे परिवार का आवास) में रखा गया था और उनके उंगलियों के निशान भी लिए गए थे। बाल ठाकरे का 17 नवंबर 2012 को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। मुंबई में संवाददाताओं से बातचीत में सुले ने कहा, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बारे में इतनी घृणित बात कभी नहीं कही गई। इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-उबाठा) के नेताओं ने कदम की टिप्पणी की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें 'गद्दार' और 'नमक हराम' बताया है।

अनैतिक धर्मांतरण भारत की सांस्कृतिक पहचान के लिए खतराः अखिल भारतीय संत समिति

ठाणे/भाषा। एक धार्मिक संगठन के पदाधिकारी ने रविवार को कहा कि अनैतिक तरीकों से किया गया धर्म परिवर्तन भारत की सांस्कृतिक पहचान के लिए खतरा है। अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंदजी महाराज ने ठाणे में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की असली ताकत उसकी धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता में निहित है।

उन्होंने कहा कि इस विविधता का आधार धार्मिक स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि इस स्वतंत्रता ने भारत को विश्व की सबसे प्राचीन और जीवंत सभ्यताओं में से एक बनाया, लेकिन अनैतिक धर्मांतरण के कारण यह खतरे में है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म का पालन और प्रचार करने का अधिकार देता है, लेकिन यह दबाव, लालच या छल के माध्यम से किसी पर धर्म थोपने की अनुमति नहीं देता है।

मोदी सरकार धन के केंद्रीकरण को बढ़ावा दे रही है, यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला हैः कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने ''धन के केंद्रीकरण'' के मुद्दे को उठाते हुए रविवार को आरोप लगाया कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों से प्रेरित है और कहा कि यह सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए समस्या नहीं है, बल्कि ''लोकतंत्र की आत्मा पर भी सीधा हमला'' है।

कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की जिसमें दावा किया गया है कि भारत अब अरबपतियों का नया केंद्र बन रहा है और देश में अमीर लोगों की संख्या साल दर साल तेजी से बढ़ रही है। रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, एक के बाद एक रिपोर्ट भारत में धन के व्यापक केंद्रीकरण के बारे में आगाह कर रही है। एक तरफ करोड़ों भारतीय रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सिर्फ 1,687 लोगों के पास देश की आधी दौलत है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार-प्रेरित आर्थिक नीतियों के कारण धन का इतना बड़ा केंद्रीकरण हमारे देश में विकराल आर्थिक असमानता पैदा कर रहा है। यही असमानता व्यापक सामाजिक असुरक्षा और असंतोष को जन्म दे रही है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों में हाल की तारीखें गवाह हैं कि यही घनघोर आर्थिक असमानता और पंगु लोकतांत्रिक संस्थाएं राजनीतिक अराजकता पैदा करने का कारण बनी हैं। रमेश ने कहा कि यह सरकार भारत को भी उसी रास्ते पर धकेल रही है। उन्होंने आरोप लगाया, सत्ता के गठजोड़ से चंद अमीर उद्योगपति और अमीर होते जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की नीतियां उनके चंद उद्योगपति मित्रों के फायदे के लिए ही केंद्रित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र, अभूतपूर्व दबाव में है और यह दबाव केवल घरेलू नीतियों का ही नहीं, बल्कि विदेश नीति की असफलताओं का भी नतीजा है।

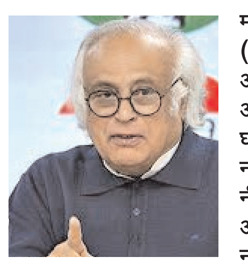

रमेश ने कहा, आम लोगों के लिए कमाई के अवसर घटते जा रहे हैं। महंगाई इतनी बढ़ गई है कि नौकरीपेशा लोगों की जेब में भी बचत की जगह कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश लगातार घट रहा है और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं कमजोर की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी सफल योजनाएं, जिन्होंने करोड़ों लोगों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का जाल मुहैया कराया था, आज वेतन संकट से जूझ रही हैं। श्रमिकों को समय पर भुगतान तक नहीं हो रहा। रमेश ने कहा, धन का इतना घोर केंद्रीकरण केवल अर्थव्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। जब आर्थिक शक्ति मुट्ठीभर हाथों में सिमट जाती है, तो राजनीतिक निर्णय भी उन्हीं के हित में होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि इसके कारण सामाजिक और आर्थिक असमानता का दायरा लगातार बढ़ रहा है। रमेश ने कहा कि नतीजा यह हो रहा है कि देश के करोड़ों नागरिक धीरे-धीरे लोकतंत्र और विकास की प्रक्रिया से बाहर किए जा रहे हैं। 'एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025' में शामिल लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। इस सूची में 1,687 लोगों के पास 1,000 करोड़ रुपए की संपत्ति है। हुरुन ने कहा कि भारत में पिछले दो वर्षों से हर हफ्ते एक अरबपति बना है और इस सूची में शामिल लोगों की संपत्ति में हर दिन 1,991 करोड़ रुपए का इजाफा हो रहा है।

हैदराबाद में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा के दौरान अंडे फेंके गए, मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा में शामिल लोगों के यह आरोप लगाये जाने के बाद एक मामला दर्ज किया गया है कि कुछ लोगों ने उन पर अंडे फेंके। यह जानकारी पुलिस ने दी। घटना शनिवार आधी रात के आसपास चादरघाट इलाके में उस समय हुई, जब मूर्ति को एक यात्रा के माध्यम से विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था। इलाके में कुछ देर के लिए हल्का तनाव व्याप्त हो गया क्योंकि एक समुदाय के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और कार्रवाई की मांग करते हुए नारे लगाने लगे। शिकायत में विसर्जन यात्रा में शामिल लोगों ने आरोप लगाया कि एक इमारत से अंडे फेंके गए।

पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर करके स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अतिरिक्त बल तैनात किया गया है और वहां एक चौकी स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि स्थिति शांतिपूर्ण है और जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, हम सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि एक अंडा फेंका गया, लेकिन अंडा सड़क पर गिर गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। चादरघाट पुलिस थाने में एक मामला दर्ज कर लिया गया है।

यात्रा, पर्यटन से 2035 तक नौ करोड़ नए रोजगार सृजित होंगेः डब्ल्यूटीटीसी

मुंबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र अगले 10 वर्षों में 9.1 करोड़ नई नौकरियों का सृजन करेगा, जो वैश्विक स्तर पर सृजित प्रत्येक तीन नौकरियों में से एक के बराबर है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

'फ्यूचर ऑफ द ट्रैवल एंड टूरिज्म वर्कफोर्स' नामक रिपोर्ट में कहा गया कि यदि जनसांख्यिकीय और संरचनात्मक बदलावों पर ध्यान नहीं दिया गया तो इससे कार्यबल में 4.3 करोड़ से अधिक लोगों की कमी हो सकती है। यह रिपोर्ट 20 अर्थव्यवस्थाओं पर केंद्रित है। डब्ल्यूटीटीसी यात्रा और पर्यटन उद्योग के मुद्दों पर सरकारों के साथ काम करती है, तथा इस क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक योगदान पर यह एक वैश्विक प्राधिकरण है। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि हाल ही में रोम में आयोजित 25वें डब्ल्यूटीटीसी वैश्विक शिखर सम्मेलन में जारी की गई यह रिपोर्ट व्यापक वैश्विक शोध पर आधारित है, जिसमें व्यापारिक दिग्गजों और पर्यटन निकाय के सदस्यों तथा अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ गहन साक्षात्कार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 2024 में यात्रा और पर्यटन की मांग पहले से कहीं अधिक मजबूत थी। इस क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान 8.5 प्रतिशत बढ़कर 10,900 अरब डॉलर तक पहुंच गया। साथ ही, यात्रा सेवाएं देने वाली कंपनियों ने 2.07 करोड़ नई नौकरियां पैदा कीं, जिससे इस क्षेत्र में दुनिया भर में कुल रोजगार की संख्या 35.7 करोड़ हो गई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

‘कोल्ड्रिफ’ ‘कफ सिरप’ के नमूने में मिलावट की पुष्टि, मंत्री ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई स्थित एक कंपनी की फैक्टरी में निरीक्षण के दौरान वहां से एकत्र किए गए कफ सिरप’ के नमूने में मिलावट पाई गई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों ने तमिलनाडु की कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है और उसे यहां के समीप स्थित अपनी फैक्टरी में सिरप का उत्पादन रोकने का निर्देश दिया है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में 11 बच्चों की मौत कफ सिरप ‘कोल्ड्रिफ’ से जुड़े होने का संदेह होने के बाद तमिलनाडु सरकार ने इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगाने और बाजार से इसके भंडार को हटाने के आदेश दिए हैं। इन्हीं आदेश के बाद यहां यह कार्रवाई की गई। अधिकारी ने बताया कि नमूने में मिलावट सामने आने के बाद एक अक्टूबर से निर्माता द्वारा बनाए गए इस ‘कफ सिरप’ की पूरे तमिलनाडु में बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की एक टीम ने पिछले सप्ताह पड़ोसी कांचीपुरम जिले के सुंगुवरचत्रम में दवा कंपनी की फैक्टरी का निरीक्षण किया और वहां से ‘कफ सिरप’ के नमूने एकत्र किए थे। फैक्टरी से जांच करने के मकसद से लिए गए नमूनों के परिणामों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने शनिवार को ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, ‘‘जांच के वास्ते लिये गए नमूने में मिलावट पाई गई है और हमने निर्माता से

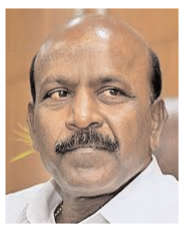

स्पष्टीकरण मांगा है। अगले आदेश तक संयंत्र में उत्पादन बंद रहेगा।’’

उन्होंने कहा, ‘‘जब तक कंपनी हमें संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं देती फैक्टरी में उत्पादन बंद रहेगा।’’ उन्होंने बताया कि कंपनी ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और पुडुचेरी में सिरप की आपूर्ति की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में सात सितंबर से संदिग्ध किडनी रोग से पीड़ित बच्चों की मौत के लिए कफ सिरप में ब्रेक ऑयल सॉल्वेंट’ के मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया। मध्य प्रदेश में इस मामले में नौ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि मीडिया की खबरों के अनुसार राजस्थान में दो शिशुओं की मृत्यु हुई है।

इस बीच, तमिलनाडु के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मा. सुब्रमण्यम ने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं और औषधि नियंत्रक विभाग द्वारा इसकी विस्तृत जांच की जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ‘‘वे (औषधि नियंत्रक विभाग) सभी पहलुओं की जांच करेंगे, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या ‘एक्सपायर्ड’ (समय सीमा समाप्त) दवाओं की आपूर्ति की गई थी। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।’’ उन्होंने कहा, ‘‘मामले की जांच के बाद, इसी के आधाार पर कार्रवाई की जाएगी।’’

मंत्री ने कहा, जांच में यह पता लगाया जाएगा कि दवाइयां कब बनाई गईं, उन्हें कब तक अन्य राज्यों (पुडुचेरी, राजस्थान और मध्य प्रदेश) में भेजा गया...।’’ यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार तमिलनाडु के लोगों को इस दवा का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह देगी, तो उन्होंने कहा, ‘‘हां।’’

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, चेन्नई ने क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी एस. विजयकुमार के नेतृत्व में स्वच्छता ही सेवा 2025 (एसएचएस) अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सफाई अभियान चलाया। टीम ने रॉयला टावर्स परिसर और निकटवर्ती बस स्टैंड क्षेत्र की सफाई की, जिससे पर्यावरणीय जिम्मेदारी और नागरिक सहभागिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई।

अभियान के बाद, कर्मचारियों ने एक मानव श्रृंखला बनाई, जिससे लोगों में स्वच्छता के महत्व तथा स्वस्थ एवं टिकाऊ पर्यावरण को बनाए रखने में सक्रिय नागरिक भागीदारी के बारे में जागरूकता बढ़ी।

अभियान का समापन वृक्षारोपण समारोह के साथ हुआ, जिसमें एस. विजयकुमार ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रतीक एक पौधा लगाया। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, चेन्नई, स्वच्छता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जो 2047 तक विकसित भारत के लिए स्वच्छ, हरित भारत के राष्ट्रीय मिशन के साथ संरेखित है।

सहायता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर जिले के वेलंडीपालयम मंडल के 43वें वार्ड में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रजी मोदी के जन्मदिन समारोह एवं दीपावली के मौके पर 5 अक्टूबर को बीजेपी जिला अध्यक्ष रमेश कुमार के नेतृत्व में 300 से अधिक जरूरतमंद को नए कपड़े वितरित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वेलंडीपालयम मंडल अध्यक्ष कार्ति, वरिष्ठ प्रशासक विजयकुमार, डॉ. सुरेंद्रन, जिला प्रशासक और मंडल प्रशासक उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन मंडल महासचिव वेलिंगिरी ने किया।

जल जीवन मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन और भ्रष्टाचार से निपटने के लिए मुख्यमंत्री स्टालिन तत्काल कार्रवाई करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद द्वारा जारी बयान में कहा कि केन्द्र सरकार की प्रमुख पहलों में एक जल जीवन मिशन में तमिलनाडु सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाने चाहिए कि जल जीवन मिशन के तहत जिन गाँवों को नल कनेक्शन मिले हैं, वहाँ पीने योग्य पानी की आपूर्ति हो। तमिलनाडु में इसकी सफलता राज्य सरकार की कुशल क्रियान्वयन की प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ठेकेदारों को आवंटित धनराशि रोक दी जाए यदि गुणवत्ता में कमी, कार्यान्वयन में देरी, या भ्रष्टाचार एवं प्रशासनिक कुप्रबंधन के मामले सामने आते हैं। केंद्र सरकार ने इस बात पर भी ज़ोर दिया है कि राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नल कनेक्शन वाले सभी घरों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो। घटिया काम या निर्धारित समय-सीमा के भीतर पाइपलाइन स्थापना पूरी करने में देरी से संबंधित किसी भी शिकायत का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। यदि ठेकेदार सहमत गुणवत्ता मानकों और समय-सीमा को पूरा करने में विफल रहते हैं, तो केंद्र सरकार ने निर्देश दिया है कि ऐसे ठेकेदारों को दी जाने वाली धनराशि तुरंत रोक दी जाए।

तमिलनाडु सरकार को अपने राज्य और जिला प्रशासन के माध्यम से, मिशन की प्रगति में किसी भी प्रकार की बाधा को रोकने के लिए सक्रिय रूप से निगरानी और अनुपालन लागू करना चाहिए। इन मुद्दों का उचित तत्परता से समाधान न करने पर जल जीवन मिशन के तहत तमिलनाडु के लिए

आवंटित केंद्र सरकार के धन के निलंबन का खतरा है। ऐसा होने पर तमिलनाडु के लोगों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा और भ्रष्टाचार तथा प्रशासनिक विफलताओं के कारण उन्हें स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी आवश्यकता से वंचित होना पड़ेगा। राज्य सरकार को इस परिवर्तनकारी योजना के तहत तमिलनाडु के गाँवों के प्रत्येक घर में नल के जल का कनेक्शन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कार्ययोजनाएँ बनाने हेतु शीघ्रता से कार्य करना चाहिए। मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए उसे भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अक्षमताओं को दूर करने हेतु निर्णायक कदम भी उठाने होंगे।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन और राज्य के बुनियादी ढाँचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, राजनीतिक लाभ के लिए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने में व्यस्त दिखाई देते हैं। हाल ही में द्रमुक की एक बैठक में, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि तमिलनाडु हमेशा भाजपा के नियंत्रण से बाहर रहेगा और उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा राज्य को धन रोके रखने के निराधार आरोपों को दोहराया। झूठ पर आधारित ऐसी बयानबाजी केवल जनता को गुमराह करने और सहयोगात्मक शासन को कमजोर करने का काम करती है। राज्य में केंद्र सरकार के वित्त पोषण से लाखों घरों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन राज्य सरकार की यह महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है कि वह स्वच्छ पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करे। दुर्भाग्य से, मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक सरकार कई गांवों में इस दायित्व को पूरा करने में विफल रही है। शिकायतें बनी हुई हैं कि पाइपलाइन बिछाने के बावजूद, घरों तक पानी नहीं पहुँच रहा है, और जिला प्रशासन ने इन शिकायतों के समाधान के लिए कोई पहल नहीं की है। मुख्यमंत्री को इस पर ध्यान देने की जरूरत है न कि भटकाने की। जल जीवन मिशन लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा है, और इसकी सफलता राज्य सरकार की पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। मुख्यमंत्री स्टालिन को विभाजनकारी राजनीति को दरकिनार कर केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि तमिलनाडु के हर घर को स्वच्छ पेयजल मिले।

निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में 5 अक्टूबर को चेन्नई कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित किए जा रहे 216 किलोमीटर लंबे वर्षा जल निकासी कार्यों और चेन्नई पेयजल बोर्ड द्वारा टीडीके रोड - वीनस कॉलोनी में निर्मित किए जा रहे 1.5 किलोमीटर लंबे सीवरेज पाइप विस्तार कार्यों का निरीक्षण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। इस निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य और लोक कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यन, विधायक एझिलन, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की स्थायी समिति के अध्यक्ष, थिरुने, चित्रासु, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के आयुक्त जे. कुमारगुरुबरन चेन्नई पेयजल बोर्ड के प्रबंध निदेशक डॉ. डी.जी. विनय और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

एसआईटी प्रमुख ने करूर में टीवीके की रैली में हुई भगदड़ की जांच की

करूर। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) ने तमिलनाडु के करूर में 27 सितंबर को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की रैली में मची भगदड़ की रविवार को जांच की। भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और 60 घायल हो गए थे। मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पर घटना की जांच के लिए तीन अक्टूबर को एसआईटी का गठन किया गया था। गर्ग ने बताया कि एसआईटी में दो पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित 11 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। इससे पहले, दिन में उन्होंने वेलुसामीपुरम में उस जगह का दौरा किया, जहां भगदड़ मची थी। गर्ग ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, माननीय उच्च न्यायालय ने एसआईटी का गठन किया है। जैसा कि आप सभी देख रहे हैं, हम आज घटनास्थल पर जाकर जांच कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में गर्ग ने कहा कि उनके अलावा दो पुलिस अधीक्षक, एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दो पुलिस उपाधीक्षक और पांच निरीक्षक एसआईटी का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, ‘‘मैं आज कोई और विवरण साझा नहीं कर सकता।’’

टीवीके प्रमुख विजय के प्रचार वाहन के चालक के खिलाफ 27 सितंबर की दुर्घटनाओं के संबंध में मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करूर। अभिनेता-राजनेता विजय के प्रचार वाहन के चालक के खिलाफ 27 सितंबर को करूर रैली के दौरान हुई दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया है जहां भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के प्रचार वाहन को भी प्राथमिकी में शामिल किया गया है।

यह मामला उस घटना से जुड़ा है, जिसमें विजय के कुछ प्रशंसक प्रचार वाली बस के करीब मोटरसाइकिल चला रहे थे ताकि वे अभिनेता की एक झलक पा सकें और इसी दौरान कथित तौर पर दुर्घटना हुई। इस हादसे का एक वीडियो कई टीवी चैनलों पर दिखाया गया था और सोशल मीडिया पर भी व्यापक रूप से साझा किया गया था। उच्च न्यायालय ने इस बात पर भी सवाल उठाया कि करूर जाते समय हुई दुर्घटना में कथित संलिप्तता के लिए बस के चालक के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई, जहां रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 60 लोग घायल हो गए थे। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, यह भी न्यायालय के संज्ञान में लाया गया कि याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत वीडियो जिसे मीडिया में व्यापक रूप से प्रसारित किया गया, में स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है कि विजय को ले जाने वाली बस दुर्घटना में शामिल थी। न्यायालय ने कहा, वीडियो में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि दो मोटरसाइकिलें दुर्घटना में शामिल थीं और बस चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। न्यायालय ने कहा कि इसी तरह, बस के पिछले हिस्से से जुड़ी एक और दुर्घटना भी एक वीडियो क्लिप के माध्यम से सामने आई। इस घटना को बस में बैठे एक व्यक्ति ने देखा था।

न्यायालय ने कहा कि दोनों ही मामलों में पुलिस द्वारा ‘हिट एंड रन’ अपराधों के लिए कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी। न्यायालय ने कहा, यह न्यायालय अधिकारियों की निष्क्रियता पर नाराजगी और चिंता व्यक्त करता है। भले ही पीड़ित पक्षों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत न की गई हो लेकिन राज्य का यह कर्तव्य है कि वह स्वतः संज्ञान लेकर प्राथमिकी दर्ज करे और सुनिश्चित करे कि आरोपी पर कानून के अनुसार मुकदमा चलाया जाए। करूर पुलिस अधीक्षक कार्यालय और वेलायुथमपलयम थाने के कई सूत्रों ने रविवार को ’पीटीआई-भाषा’ को पुष्टि की कि वीडियो में दिखाई दे रहे इन दुर्घटनाओं के मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, जिनमें उस बस से टक्कर की दृश्य दिखाई दे रहे है जिसमें विजय यात्रा कर रहे थें।

तमिलनाडु ने कलैगनार विश्वविद्यालय विधेयक को लेकर न्यायालय का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने कलैगनार विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 को राज्य मंत्रिमंडल की सलाह के अनुसार मंजूरी देने के बजाय राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखने के राज्यपाल के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत से राज्यपाल के निर्णय और उसके परिणामस्वरूप होने वाले ‘‘सभी कृत्यों’’ को अवैध, स्पष्ट रूप से असंवैधानिक और आरंभ से ही अमान्य घोषित करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया है। उसने न्यायालय से राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 200 (अनुमति प्रदान करना) के तहत कार्य करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

कलैगनार विश्वविद्यालय विधेयक को इस वर्ष की शुरुआत में राज्य विधानसभा ने पारित किया था। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने इसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के विचारार्थ सुरक्षित रख लिया था। विधेयक में भारतीदासन विश्वविद्यालय का विभाजन करके कुंभकोणम में कलैगनार विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य अरियालुर, नागपट्टिनम, तंजावुर और तिरुवरूर जिलों के छात्रों की उच्च शिक्षा की जरूरतों को पूरा करना है। इसका नाम वर्तमान मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के नाम पर रखा गया है। इस विधेयक के स्वीकृत होने के बाद स्टालिन इस विश्वविद्यालय के पहले कुलपति के रूप में कार्य करेंगे।

यह विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गए दो विधेयकों में से एक है। अधिकारी ने बताया कि दूसरे विधेयक में तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि राज्य सरकार को खेल विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति और हटाने का अधिकार मिल सके। दोनों विधेयक विधानसभा द्वारा अप्रैल में पारित किए गए थे और बाद में राज्यपाल के पास अनुमोदन के लिए भेजे गए थे।

अभिनेता मोहनलाल के सम्मान में आयोजित समारोह राजनीतिक हित के लिए किया गया : केसी वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को केरल सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने राजनीतिक हितों को साधने के लिए अभिनेता मोहनलाल को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया और चुनाव से पहले इसे जनसंपर्क अभियान के रूप में इस्तेमाल किया गया। वेणुगोपाल का इशारा राज्य सरकार द्वारा शनिवार को तिरुवनंतपुरम में आयोजित सम्मान समारोह की ओर था, जिसमें हाल ही में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार जीतने वाले मोहनलाल को सम्मानित किया गया।

वेणुगोपाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस पहले ही मोहनलाल जैसे महान अभिनेता को सम्मानित किए जाने पर बधाई दे चुकी है लेकिन सरकार द्वारा इस कार्यक्रम का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास अत्यंत आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा, अच्छा है कि सरकार ने अभिनेता का सम्मान

किया। लेकिन यह कार्यक्रम राजनीतिक हित के साथ आयोजित किया गया। चूंकि उद्देश्य मोहनलाल को सम्मानित करना था, हम कोई विवाद नहीं खड़ा करना चाहते।

वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि मोहनलाल को पूरे राज्य के लोग प्यार करते है लेकिन आयोजकों ने इस कार्यक्रम को निजी हितों के लिए आयोजित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि गलत फैसलों के कारण जनता में नाराजगी पैदा करने के बाद अब सरकार ऐसे कार्यक्रमों का इस्तेमाल अपनी खामियों पर पर्दा डालने के लिए कर रही है।

தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம்
(தொழிலாளர் மற்றும் வேலை வாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt of India)
क.रा.बी.नि
E.S.I.C

மண்டல அலுவலகம் / क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை-600 034.
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै-600 034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai–600 034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in / www.rotamilnadu.esic.gov.in

संविदा के आधार पर अभियंताओं की नियुक्ति

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, तमिलनाडु क्षेत्र में संविदा के आधार पर कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) / (सिविल) के पदों पर सेवानिवृत्त अभियंताओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, विवरण निम्नानुसार है।

आवश्यक अभियंताओं की संख्या

१. कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) – २ पद, क.रा.बी.निगम, चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, के.के. नगर, चेन्नै हेतु।
२. कनिष्ठ अभियंता (सिविल) – १ पद, क.रा.बी.निगम, चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, के.के. नगर, चेन्नै हेतु।

संविदा की अवधि एक वर्ष अथवा इन पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो।

साक्षात्कार की तिथि एवं समय – ०७.१०.२०२५ (मंगलवार), अपराह्न ०२.३० बजे।

स्थान/तशर्पीश: कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय (तमिलनाडु), पंचदीप भवन, १४३, स्टर्लिंग रोड, नुंगम्बाक्कम, चेन्नई-६०० ०३४।

शैक्षिक एवं अन्य योग्यताओं, आयु, आवेदन प्रपत्र तथा विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.esic.gov.in** पर जाएँ।/

क्षेत्रीय निदेशक(प्रभारी)

ENGAGEMENT OF ENGINEERS ON CONTRACT BASIS

Applications are invited from retired Engineers for engagement on contract basis as Junior Engineer (Electrical)/(Civil) in ESIC, Tamil Nadu Region as detailed under:

आवश्यक अभियंताओं की संख्या / Number of Engineers required:

1. Junior Engineer (Elec) – 2 Post for ESIC MCH, KK Nagar, Chennai
2. Junior Engineer (Civil) – 1 Post for ESIC MCH, KK Nagar, Chennai

Tenure of contract is **one year or till the process of regular recruitment for these posts is completed, whichever is earlier.**

Walk-in Interview on **07.10.2025 - Timing 02.30 pm**

Venue: EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
Regional Office (Tamilnadu), Panchdeep Bhavan, 143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai-600 034.

For educational and other qualifications, age, application format and other details visit our website **www.esic.gov.in**

Regional Director (I/c)

राज्य सरकार उद्योग और व्यापार को दे रही बढ़ावाः : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ चंद्रवंशी परंपरा के महान शासक होने के साथ ही उच्च कोटि के कलाकार भी थे। उन्होंने आभूषण और कलाकृतियां बनाने की कला को अपनी प्रजा और वंशजों के लिए एक गौरवशाली व्यवसाय में बदलने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वर्णकार समाज महाराजा अजमीढ़ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए देश की कला, संस्कृति और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम योगदान दे रहा है।

शर्मा रविवार को जयपुर के अग्रवाल कॉलेज में मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा द्वारा आयोजित महाराजा अजमीढ़ जयंती महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सोने को तराशकर उसमें प्राण फूंकने की जो कला स्वर्णकार समाज के पास है, वह दुनिया के अन्य किसी समाज में देखने को नहीं मिलती। उनके द्वारा बनाए जाने वाले आभूषण भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। शर्मा ने कहा कि जयपुर विशेष रूप से रत्न एवं आभूषणों के एक वैश्विक केंद्र के रूप में विख्यात है। यहां के कारीगरों द्वारा तैयार किए गए रत्न और सुंदर आभूषण अंतरराष्ट्रीय बाजार में जयपुर को विशेष पहचान दिलाते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ ही, लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हस्तशिल्प के हुनर को सम्मान देने के साथ ही, प्रदेश में उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अनेक स्तर पर प्रयास कर रही है। प्रदेश के आर्थिक विकास को सर्वोपरि रखते हुए पिछले 22 महीनों में हमने आर्थिक सुधार लाने, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में राजस्थान अपराध के मामले में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल था। हमने सरकार बनते ही, इसे गंभीरता से लिया और प्रदेशवासियों को सुरक्षित वातारण उपलब्ध करवाने के लिए कई ठोस कदम उठाए।

परिणामस्वरूप राज्य में पिछले लगभग पौने दो वर्षों के दौरान अपराध दर में तेजी से गिरावट आई है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कानून तैयार करने, मजबूत कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीति और तत्पर कार्रवाई से आमजन में सुरक्षा की भावना प्रबल हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने पुलिस प्रशासन को मजबूत करते हुए अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। आज राजस्थान में व्यापारी निश्चिंत होकर अपना व्यवसाय कर सकते हैं। इस अवसर पर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, जयपुर हैरिटेज नगर निगम महापौर श्रीमती कुसुम यादव, मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र जोड़ा सहित बड़ी संख्या में स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधिगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

सालासर जा रहे श्रद्धालुओं को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, 3 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले में सालासर बालाजी की पैदल यात्रा के दौरान रविवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। सदर थाना क्षेत्र में होटल पैराडाइज के पास एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना एनएच-52 मार्ग पर सुबह लगभग 7 बजे हुई।

घायल श्रद्धालुओं को तुरंत सदर थाना पुलिस ने राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर चोटों के कारण दो घायलों को उच्च उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

तीनों मृतकों के शव अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाए गए हैं। सदर थाना के एएसआई गिरधारी लाल सैनी ने बताया कि मृतकों की पहचान हरियाणा के न्योली कला निवासी 34 वर्षीय प्रीतम सिंह, 35 वर्षीय सुरेंद्र जाट और हांसी के 55 वर्षीय मनजीत जाट के रूप में हुई है, जबकि गंभीर रूप से घायल हुए श्रद्धालु चूरू के गांव लम्बोर निवासी प्रशांत और रतनपुरा निवासी विकास हैं, जिनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

जानकारी मिली है कि यह श्रद्धालु समूह शनिवार सुबह लंबोर छीपियान से सालासर पदयात्रा के लिए निकला था। लोगों ने बताया कि कुल 12 सदस्य इस पदयात्रा में शामिल थे और वे उत्साह तथा खुशी से यात्रा कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही गांव के लोग और परिजन अस्पताल पहुंच गए।

पुलिस ने हादसे के बाद फरार हुए अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। एएसआई गिरधारीलाल सैनी ने बताया कि पुलिस घटना की गहनता से जांच कर रही है और शीघ्र ही जिम्मेदार वाहन चालक को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना के बाद श्रद्धालुओं के परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। परिजन जल्द ही अस्पताल पहुंचेंगे और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित बच्चे की जयपुर के अस्पताल में मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/जोधपुर। जयपुर के सरकारी जे.के. लोन अस्पताल में छह वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे को चूरू के एक अस्पताल से रेफर किया गया था। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि यह बच्चा चूरू में तीन दिन तक भर्ती रहा था। अधिकारी के अनुसार, बच्चे के माता-पिता ने बताया कि चूरू में अस्पताल में भर्ती होने से पहले बच्चे को खांसी की दवा (कफ सिरप) दी गई थी।

उन्होंने बताया कि अनस को शनिवार तड़के चार बजे जे.के. लोन अस्पताल में भर्ती कराया गया था और सुबह करीब 10 बजे उसकी मृत्यु हो गई। अधिकारी ने कहा, बच्चा मस्तिष्क ज्वर (एक्यूट ब्रेन फीवर) से पीड़ित था। हाल के दिनों में खांसी की दवा दिए जाने के बाद बच्चों के बीमार होने के कई मामले सामने आए हैं। इससे पहले दो बच्चों की मौत हुई थी जिनमें एक भरतपुर में और दूसरी सीकर में हुई थी। आरोप है कि पीड़ित बच्चों को सरकारी अस्पतालों में 'मुफ्त दवा योजना' के तहत दी गई खांसी की दवा पिलाई गई थी। हालांकि, अधिकारियों ने दावा किया है कि जिस कफ सिरप को लेकर आरोप लगाए जा रहे हैं, उसे सरकारी प्रयोगशाला परीक्षणों में सुरक्षित पाया गया है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जोधपुर में कहा कि जिस खांसी की दवा को राज्य में तीन बच्चों की मौत का कारण बताया जा रहा है, वह सुरक्षित है और उसमें न तो कोई मिलावट पाई गई है व न ही कोई अन्य खराबी। मंत्री ने कहा, हमने जांच रिपोर्ट आने से पहले ही दवा की दो बार जांच करवाई थी-पहले हमारे ओषधि नियंत्रक ने और फिर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) ने इसकी जांच की। लेकिन इसमें कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई। खींवसर ने दावा किया कि तीनों बच्चों को पहले से अन्य बीमारियां थीं और उनके माता-पिता ने खुद ही डॉक्टर की सलाह के बिना उन्हें खांसी की दवा दी थी।

उन्होंने कहा, अगर हम बच्चों को वह दवा देंगे जो वयस्कों के लिए बनाई गई है, तो इसका बच्चों पर नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि दो साल का बच्चा यह दवा नहीं ले सकता।

बाद में मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि तीनों मौत के मामलों में शुरुआती जांच में यह पुष्टि नहीं हुई है कि बच्चों को 'डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड' दवा डॉक्टर ने लिखी थी या डॉक्टर की निगरानी में दी गई थी। 'केसन्स फार्मा' को क्लीन चिट दिए जाने पर खींवसर ने कहा कि यह फैसला जांच रिपोर्ट में दवा के ठीक पाए जाने के बाद लिया गया। 'केसन्स फार्मा' द्वारा निर्मित 19 दवाओं पर प्रतिबंध और उसकी 40 दवाओं के पहले गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के बारे में पूछे जाने पर खींवसर ने कहा कि यह एहतियात के तौर पर किया गया था।

जबरन वसूली के आरोप में पूर्व पत्रकार समेत दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'ब्लैकमेल' करने और जबरन वसूली करने के आरोप में 'जी राजस्थान' के एक पूर्व पत्रकार समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई राम सिंह राजावत और जितेंद्र शर्मा के खिलाफ की गई। राजावत 'जी राजस्थान' समाचार चैनल में रिपोर्टर और शर्मा 'स्टेट बिजनेस हेड' के रूप में कार्यरत थे। चैनल प्रबंधन ने पिछले महीने अशोक नगर पुलिस थाने में अपने तत्कालीन क्षेत्रीय प्रमुख (रीजनल हेड) आशीष दवे और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक कदाचार का मामला दर्ज कराया था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच से पता चला है कि राजावत और शर्मा, दवे के निर्देशों पर काम करते थे और व्यापारियों पर पैसे देने का दबाव बनाने के लिए उनके खिलाफ नकारात्मक खबरें प्रसारित करते थे। अधिकारी ने कहा, आरोपी राज्य में बिल्डरों, खनिज कारोबारियों, निजी अस्पतालों और बिजली परियोजना कंपनियों सहित अन्य प्रतिष्ठानों को ब्लैकमेल करके उनसे पैसे वसूलते थे।

यह घोटाला तब सामने आया जब चैनल को दवे और अन्य के खिलाफ कई शिकायतें मिलीं। इसके बाद मुख्यालय से एक टीम ने जयपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया और आंतरिक जांच के दौरान शर्मा सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में एक लॉकर से पांच लाख रुपये लेकर कथित तौर पर भागते हुए नजर आए। इस खुलासे के बाद, चैनल प्रबंधन ने दवे, राजावत और शर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा।

दवे ने जिला एवं सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जिसने जयपुर पुलिस को छह सप्ताह के भीतर जांच पूरी करने और सबूत पेश करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने 128 ब्लू लाइन बसों की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की आधुनिक सुविधाओं से लैस 128 ब्लू लाइन बसों को रविवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जयपुर में अमर जवान ज्योति पर आयोजित कार्यक्रम में शर्मा ने 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा की भी शुरुआत की। उन्होंने वॉल्वो, स्केनिया और एसी बसों में खानपान सुविधाओं का भी आगाज किया।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, सार्वजनिक परिवहन सेवा को जनता के लिए अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने आधुनिक ब्लू लाइन बसें शुरू की हैं। ये बसें राज्य के 23 आगार को आवंटित की गई हैं। बयान के अनुसार, सरकार ने 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा के तहत राजस्व साझाकरण मॉडल के आधार पर 357 मार्गों पर बसें शुरू की हैं। इसमें कहा गया है कि डीलक्स सीटों से सुसज्जित इन बसों में राज्य सरकार की ओर से दी जा रही मुफ्त और रियायती यात्रा की सुविधा भी हासिल होगी।

बयान में दावा किया गया है कि इन बसों से 25 ग्रामीण मार्गों पर स्थित 169 ग्राम पंचायतों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी और उनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं रोजगार सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। बयान में कहा गया है कि राज्य सरकार ने ट्रेन और हवाई जहाज की तरह निगम की वॉल्वो, स्केनिया तथा एसी बसों में भी खानपान सुविधाएं शुरू की हैं, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान अपनी सीट पर ही खाने-पीने की सामग्री उपलब्ध हो सकेगी।

इसमें कहा गया है कि यात्रियों को सुबह, दोपहर और शाम के 'मेनू' के हिसाब से खाने-पीने की अलग-अलग चीजें परोसी जाएंगी।

सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किया : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता स्थापित की है। वह यहां केशव विद्यापीठ में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नौवें अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता स्थापित की, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल पेपर लीक ही हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य पर काम कर रही है जिसमें से लगभग 91 हजार युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए सत्र 2024-25 से राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिये जाने वाला शुल्क पूरी तरह माफ किया है। उन्होंने कहा, यह निर्णय समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, हमने वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शुल्क माफी, छात्रवृत्तियां और विशेष प्रावधान भी किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भाषायी विद्यालय शुरू करने जा रही है और इसके तहत राज्य में ही विभिन्न विदेशी भाषाओं की परीक्षाएं आयोजित होंगी। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि शिक्षक ज्ञान के वाहक हैं, जो राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के शिक्षक भारत को ज्ञान में विश्व गुरु, संस्कृति में समृद्ध, मूल्यों में अग्रणी और चरित्र में श्रेष्ठ बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि महासंघ से जुड़े शिक्षक राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं और वे समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जा रहे है।

स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पहले शिक्षा के क्षेत्र में 11वें स्थान पर था, जो राज्य सरकार के प्रयासों से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि महासंघ शिक्षक हितों के साथ साथ शिक्षा, समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिवेशन की स्मारिका 'शिक्षक-राष्ट्र के लिए', कैलेण्डर तथा 'शैक्षिक मंथन विकसित भारत-2047' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

भाजपा सरकार में बदनाम हो रही है निशुल्क दवा योजना : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कथित तौर पर खांसी की दवा (कफ सिरप) पीने के बाद मौत के मामलों को लेकर रविवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा सरकार में निशुल्क दवा योजना जैसी आदर्श योजना भी बदनाम हो रही है।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान का देश ही नहीं पूरी दुनिया में उदाहरण दिया जाता था क्योंकि 2011 में यहां कांग्रेस सरकार ने निशुल्क दवा योजना शुरू की जिसे कई राज्यों और देशों ने अपने यहां लागू किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, यह बेहद शर्म की बात है कि भाजपा सरकार में ऐसी आदर्श योजना भी बदनाम हो रही है क्योंकि खांसी की दवा से मौतें हो रही हैं। राज्य सरकार इन मौतों की जवाबदेही तय करने के बजाय (इन्हें) स्वीकार ही नहीं कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह दिखाता है कि राजस्थान में भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार इस कदर बढ़ गया है कि इंसान की जान की भी इन्हें परवाह नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चिरंजीवी योजना (एमएए योजना), निरोगी राजस्थान योजना (निशुल्क दवा एवं निशुल्क जांच) पर स्वयं विशेष ध्यान दें क्योंकि पूरे देश में इन योजनाओं की चर्चा हुई थी जिस कारण सभी की इन योजनाओं पर नजर रहती है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में हाल के दिनों में, बच्चों को कफ सिरप दिए जाने के बाद गंभीर रूप से बीमार होने के मामले सामने आए हैं।

सरकार ग्रामीण विकास और कृषि कल्याण के लिए कर रही निरन्तर कार्य : जोगाराम

जयपुर/दक्षिण भारत। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिला स्थित पंचायत समिति धवा की ग्राम पंचायत चाली के नवनिर्मित मिनी सचिवालय भवन सहित 232.53 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास और कृषि कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की सहायता राशि बढ़ाकर 9 हजार रूपये की गई। उन्होंने कहा राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त धनतेरस के अवसर पर किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा गरीबी मुक्त राजस्थान के लिए श्पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना प्रारम्भ की गई है। ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से 10 हजार गाँवों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा इस योजना में जो परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए उन्हें 21 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

पटेल ने कहा लूणी के सर्वस्पर्शी विकास की दिशा में अनेक कार्य करवाए गए हैं। उन्होंने

कहा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सांगरिया में सैटलाइट अस्पताल, केरू में ट्रॉमा सेंटर की सौगात दी है। वहीं उच्च शिक्षा के लिए केरू एवं झंवर में महाविद्यालय और काश्तकारों के लिए केरू में तहसील एवं दुन्दाड़ा में उप तहसील की सौगात दी गई है। उन्होंने कहा विकसित सड़क तंत्र के लिए लूणी में 4 अरब से अधिक के कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

पटेल ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के तहत प्रदेश में लगभग 1600 बसावटों को चरणबद्ध रूप से आगामी 2 वर्षों में डामर सड़कों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा चरणबद्ध रूप से 5 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जा रहा है।

अयोध्या में 'दीपोत्सव-2025' की तैयारियां तेज, 30 हजार स्वयंसेवक देंगे भव्य आयोजन को गति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले 'दीपोत्सव–2025' की भव्य तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार अयोध्या को आलोकित करने वाले इस विश्वविख्यात आयोजन के लिए अब घाटों को व्यवस्थित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय की टीम घाटों को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने में जुटी हुई है। दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि उनकी देखरेख में घाटों की सफाई के उपरांत चिह्नित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दीयों की सुंदर सजावट के लिए प्रत्येक ब्लॉक में 4.5 वर्ग फुट का क्षेत्र चिह्नित किया जा रहा है, जबकि श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु ढाई फुट चौड़ा मार्ग छोड़ा गया है। प्रो. मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव के लिए कुल 56 घाटों की पहचान की गई है, जिन पर लाखों दीपों की ज्योति से अयोध्या जगमगाएगी। चिह्नित करने का कार्य करने वाली कमेटी के संयोजक डॉ. रंजन सिंह (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी) व उनकी टीम कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि दीपोत्सव के सफल संचालन हेतु 30,000 स्वयंसेवकों का ऑनलाइन पंजीकरण अंतिम चरण में है। शीघ्र ही दीपों की आपूर्ति प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी। बयान में दावा किया है कि यह भव्य दीपोत्सव न केवल अयोध्या की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक मंच पर और अधिक उजागर करेगा, बल्कि राम की नगरी, प्रकाश की नगरी का संदेश एक बार फिर संपूर्ण विश्व तक पहुंचाएगा।

क्षेत्र में साफ छवि वाले अधिकारी को ही तैनात किया जाए : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार केवल ''प्रदर्शन'' होगा और निर्देश दिए कि क्षेत्र (फील्ड) में केवल उन्हीं अधिकारियों को तैनात किया जाए, जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्ध हों तथा जिनकी छवि साफ–सुथरी हो।

मुख्यमंत्री रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोनल अधिकारियों से सीधा संवाद किया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीएसटी में सुधार के बाद बाजार में तेजी देखी जा रही है और आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम अवश्य दिखाई देंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि धनतेरस और दीपावली के अवसर पर अनावश्यक जांच अथवा छापेमारी से बचा जाए। व्यापारियों और उद्यमियों के उत्पीड़न की कोई शिकायत कहीं से भी नहीं आनी चाहिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जोनवार समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि बरेली (64.2 प्रतिशत), सहारनपुर (63.7 प्रतिशत), मेरठ (63 प्रतिशत), गोरखपुर (62.5 प्रतिशत) और झांसी (62.1 प्रतिशत) जैसे जोन का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है, जबकि कुछ जोन में लक्ष्य पूर्ति 55 से 58 प्रतिशत के बीच रही, जहां सुधार की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी प्रथम व द्वितीय, गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ प्रथम व द्वितीय, कानपुर प्रथम व द्वितीय, इटावा, झांसी, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद प्रथम व द्वितीय, गौतमबुद्ध नगर और सहारनपुर सहित सभी जोन की संभागवार एवं खंडवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट किया जाए और उसके सुधार के लिए तत्काल कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोन में कोई भी खंड 50 प्रतिशत से कम संग्रह वाला नहीं है, जो कि संतोषजनक है। वहीं, कमजोर प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि करदाताओं की सुविधा और उनका विश्वास अर्जित करना ही स्थायी राजस्व वृद्धि का आधार है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि करदाता–अनुकूल वातावरण बनाते हुए 'ई–गवर्नेंस' प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्व वृद्धि राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने का आधार है। 'विकसित उत्तर प्रदेश' और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में राज्य कर विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव मदद देगी मोदी सरकार : शाह

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र में भारी बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। अहिल्यानगर जिले में डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाने की विस्तारित क्षमता का उद्घाटन करने के बाद एक किसान रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हाल ही में हुई भारी बारिश से 60 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि प्रभावित हुई है। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हाल में हुई भारी बारिश और बाढ़ आने से व्यापक नुकसान हुआ है। शाह ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दोनों उपमुख्यमंत्रियों – एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ एक विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से, मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बार विस्तृत रिपोर्ट हमें सौंप दिए जाने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के किसानों को कोई भी मदद देने में देरी नहीं करेंगे।

'हत्या, अपहरण और नरसंहार ही राजद शासन की पहचान थी : नित्यानंद राय

पटना/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि जंगलराज और गुंडाराज की राजनीति करने वाले लोगों से बिहार की जनता को सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उजियारपुर से सांसद राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में 1990 से 2005 तक का राजद शासनकाल राज्य के इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दौर था। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय जनता दल का मतलब ही अपराध, नरसंहार, अपहरण, गुंडाराज और जंगलराज है। उन 15 सालों में बिहार लूट, हत्या और बलात्कार का केंद्र बन गया था। दिन में भी लोग घर से निकलने से डरते थे। राय ने दावा किया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1990 से 2005 के बीच 32,000 से अधिक अपहरण की घटनाएं हुईं। उन्होंने आरोप लगाया, बिहार में अपहरण एक उद्योग बन चुका था और उसके संचालक लालू परिवार और राष्ट्रीय जनता दल थे। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राय ने आरोप लगाते हुए कहा, लालू–राबड़ी के शासनकाल में 18,000 से ज्यादा हत्याएं हुईं। इनमें से कई अपराधियों को आज राजद ने विधायक, जिला अध्यक्ष या पार्टी का मजबूत स्तंभ बना रखा है।

दार्जिलिंग में भूस्खलन संबंधी स्थिति पर रखी जा रही कड़ी नजर : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारी बारिश एवं भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दुःख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग तथा आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग की पहाड़ियों में शनिवार को कई जगह लगातार बारिश के कारण भूस्खलन होने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हो गए। भूस्खलन के कारण कई मकान बह गए, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया।

दार्जिलिंग उप–मंडलीय अधिकारी (एसडीओ) रिचर्ड लेप्चा ने 'भाषा' को बताया कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपदा मोचन दल की मदद से बचाव और राहत अभियान जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की है लेकिन उन्होंने राशि का कोई जिक्र नहीं किया।

बनर्जी ने कहा कि वह छह अक्टूबर को उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी और उस क्षेत्र की स्थिति का आकलन करेंगी, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक भी प्रभावित हुए हैं।

प्रभावित राज्यों को सहायता प्रदान करे केंद्र : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को पश्चिम बंगाल और सिक्किम में हुए विनाशकारी भूस्खलन पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा केंद्र से प्रभावित राज्यों को राहत सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। रविवार को पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में मिरिक और दार्जिलिंग पहाड़ियों में लगातार भारी बारिश के कारण हुई भूस्खलन की घटनाओं में कई बच्चों सहित कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं में कई घर बह गए, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया। खरगे ने पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, खासकर दार्जिलिंग और उत्तरी बंगाल क्षेत्रों में आई विनाशकारी बाढ़ को लेकर मैं बहुत चिंतित हूं, जहां कई लोगों की जान चली गई और एक पुल भी ढह गया है। उन्होंने कहा, शोकसंतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उम्मीद है कि पीड़ितों को पर्याप्त और शीघ्र मुआवजा दिया जाएगा। खरगे ने केंद्र सरकार से प्रभावित राज्यों को एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीम सहित अन्य राहत सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संकटग्रस्त लोगों तक पहुंचना चाहिए और हरसंभव मदद सुनिश्चित करनी चाहिए।

2020 के चुनाव में 23 लाख महिलाओं के नाम एसआईआर के तहत काटे गए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत लगभग 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें से ज्यादातर 59 विधानसभा सीटों से हैं, जहां 2020 के चुनावों में ''कांटे की टक्कर'' देखी गई थी।

अपने 'वोट चोरी' के दावों को दोहराते हुए, विपक्षी दल ने यह भी पूछा कि इन महिलाओं ने पिछले साल लोकसभा चुनाव में जब वोट डाला था, तब क्या ये वोट ''फर्जी'' थे और क्या ''फर्जी वोटों'' से चुने गए सांसदों ने सरकार बनाने में मदद की थी। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर, निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर ''बड़े पैमाने पर धांधली'' कर रहा है। उन्होंने यहां इंदिरा भवन मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, बिहार में लगभग 3.5 करोड़ महिला मतदाता हैं, लेकिन लगभग 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

ओडिशा सरकार हर गांव में भगवता तुंगियों को पुनर्जीवित करेगी : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के प्रत्येक गांव में भगवता तुंगी को पुनर्जीवित करेगी।

भगवता तुंगी एक छोटी सी झोपड़ी होती है जहां ग्रामीण दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद धर्म, धर्मग्रंथों और संस्कृति पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं। ये स्थान ओडिशा के ग्रामीण जीवन के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताने–बाने का केंद्र माने जाते हैं।

यहां श्रीमद्भगवद् महोत्सव में शामिल होते हुए माझी ने कहा कि राज्य सरकार 'प्रत्येक ओडिया घर में भगवद् और प्रत्येक गांव में भगवता तुंगी' को पुनर्जीवित करने और स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि भगवद् गीता का पाठ आध्यात्मिक पथ पर उनका मार्गदर्शन करने का एक शक्तिशाली साधन है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवत पांच प्रमुख सिद्धांतों – ईश्वर, जीवन, प्रकृति, काल और कर्म – पर केंद्रित है जो मानव आचरण का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन भगवद् गीता का पाठ करने का आग्रह किया और कहा कि यह मानव जीवन को 'स्वस्थ, धार्मिक और नैतिक दिशा' की ओर ले जा सकती है।

झारखंड के निजी 'लॉज' में छात्रा का शव फंदे से लटका मिला

रांची/भाषा। रांची में एक निजी संस्थान की 20–वर्षीय छात्रा का शव रविवार को यहां एक निजी 'लॉज' (आवासीय परिसर) में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृत छात्रा की पहचान बिहार के सासाराम जिले की रहने वाली स्वाति कुमारी (20) के रूप में हुई है। वह जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक निजी 'लॉज' में रहती थी।

रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने कहा, यह प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। मृत छात्रा एक निजी संस्थान से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही थी और एक निजी 'लॉज' में रहती थी। वह बिहार के सासाराम जिले की निवासी थी। मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीम भेजी गई है। छात्रा की उम्र लगभग 20 वर्ष थी। जगन्नाथपुर थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) भेजा गया है और छात्रा के परिजन को घटना की सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा जल्द, 17 नई पहल देश को दिखाएगी राह : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और इससे पहले राज्य में चुनाव संपन्न करा लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही चुनाव की तिथि की घोषणा की जाएगी।

कुमार ने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में लागू की जाने वाली 17 नई पहलें न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी। यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कुमार ने कहा कि बिहार चुनाव को छठ महापर्व की तरह, लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने भोजपुरी और मैथिली में मतदाताओं को संबोधित करते हुए आभार व्यक्त किया और लोकतंत्र के प्रति सहयोग के लिए बधाई दी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि बिहार ने वैशाली से लोकतंत्र को जन्म दिया है और अब बिहार से ही चुनाव सुधार की नई दिशा देश को मिलेगी। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जबकि योग्य मतदाता नामांकन की समाप्ति से दस दिन पहले तक फॉर्म–6 या फॉर्म–7 भरकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। कुमार ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने पर संतोष व्यक्त करते हुए दावा किया कि इससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूची का शुद्धिकरण संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि एसआईआर करवाना निर्वाचन आयोग का विशेषाधिकार है।

इससे पहले बिहार में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। कुमार ने कहा, हमारे पास 243 निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) है। इस कार्य में 90,207 बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने सहयोग किया, जिससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण संभव हो सका।

ओडिशा सरकार दुर्गा पूजा समितियों को 1.10 लाख रुपए तक की सहायता देगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने घोषणा की है कि वह दुर्गा पूजा समितियों को 1.10 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। संस्कृति मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने शनिवार को बताया कि यह निर्णय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और पारंपरिक उत्सवों का समर्थन करने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि समितियों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है– विरासत दुर्गा पूजा, 75 वर्ष पुरानी दुर्गा पूजा और 50 वर्ष पुरानी दुर्गा पूजा। संस्कृति मंत्री ने बताया कि विरासत दुर्गा पूजा के लिए 215 समितियों को 1.10 लाख रुपए दिए जाएंगे जबकि दूसरी और तीसरी श्रेणी को क्रमश: 75,000 रुपए और 50,000 रुपए मिलेंगे। सूरज ने बताया कि दूसरी श्रेणी में 197 पूजा समितियां और तीसरी श्रेणी में 673 पूजा समितियां हैं। उन्होंने कहा कि कुल 1,085 दुर्गा पूजा समितियों को सहायता प्रदान की जाएगी।

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद, छह उग्रवादी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम जिलों से हथियारों और गोला–बारूद का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

इसके अलावा विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े छह उग्रवादियों को पूर्वोत्तर राज्य के चार जिलों में जबरन वसूली और अन्य अवैध गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए अलग–अलग अभियान चलाकर गिरफ्तार किया गया। शनिवार को कांगपोकपी जिले के कोटजिम में मैगजीन के साथ एक 'हेकलर एंड कोच' राइफल, दो 'बोल्ट एक्शन' राइफल, दो 'पुल मैकेनिज्म' राइफल, दो मोर्टार और दो हथगोले बरामद किए गए। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के कांगलाटोम्बी इलाके से एक सब–मशीन गन, एक .303 राइफल, नौ मिमी पिस्तौल, .32 पिस्तौल, स्थानीय रूप से निर्मित सात बोल्ट एक्शन राइफल, गोला–बारूद और अन्य युद्ध सामग्री भी बरामद की। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में छह उग्रवादियों को अलग–अलग अभियान चलाकर गिरफ्तार किया।

भारत-पाकिस्तान के बीच टॉस के दौरान मैच रैफरी से हुई गलती

कोलंबो/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को यहां महिला विश्व कप मुकाबले के टॉस के दौरान मैच रेफरी शांड्रे फ्रिट्ज से गलती हो गई। इस गलती की वजह से उन्होंने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना को टॉस विजेता घोषित कर दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला और सना ने 'टेल्स' कहा लेकिन फ्रिट्ज़ ने सुनने में गलती की और इसे 'हेड्स' समझ लिया। फिर प्रस्तोता मेल जोन्स ने भी उन्हें टॉस विजेता घोषित किया।

सिक्का 'हेड्स अप' गिरा लेकिन टॉस का विजेता पाकिस्तान को माना गया जिससे उन्होंने बादलों से भरे आसमान में पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना।

हरमनप्रीत ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और पाकिस्तानी कप्तान के बाद जोन्स से बात करने के लिए उनके पास गईं। उन्होंने सना से हाथ नहीं मिलाया।

'गन्ना मिलों पर लगाए गए कर से किसानों पर असर नहीं पड़ेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहिल्यानगर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गन्ना मिलों पर लेवी (कर) लगाने के राज्य सरकार के फैसले की आलोचना करने वाले विपक्षी नेताओं पर रविवार को निशाना साधा और कहा कि यह किसानों की कमाई से नहीं बल्कि मिलों के मुनाफे से वसूला जाएगा। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति से हुए नुकसान को देखते हुए सरकार ने पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के लिए मिलों पर प्रति टन गन्ने पर 10 रुपए तथा बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता के लिए प्रति टन पांच रुपए का शुल्क लगाए जाने की घोषणा की थी। लेकिन विपक्ष के नेताओं ने आरोप लगाया है कि इस फैसले से किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

चीनी की एक मिल में आयोजित कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा, राज्य में करीब 200 मिलें हैं और एक मिल को सीएमआरएफ में करीब 25 लाख रुपए का भुगतान करना पड़ सकता है। हम किसानों से नहीं बल्कि चीनी मिलों के मुनाफे से धन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस निर्णय की आलोचना करने वालों की निंदा करते हुए कहा कि वे इसका गलत अर्थ निकाल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग इतना गिर गए हैं कि वे सरकार द्वारा किसानों से पैसा लेने के रूप में इसका वर्णन कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि यह भुगतान मिलों के मुनाफे से है और ये मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित किसानों तक पहुंचेगा।

तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश के मानसिक स्वास्थ्य पर उठाए सवाल, कहा- सरकार चलाने की क्षमता खो चुके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक कार्यक्रम में ''असामान्य व्यवहार'' उनकी ''मानसिक स्थिति'' और ''सरकार चलाने की क्षमता'' को लेकर नए सिरे से संदेह पैदा करता है। पूर्व उपमुख्यमंत्री और वर्तमान में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर उस कार्यक्रम का एक वीडियो साझा किया, जिसमें मुख्यमंत्री अपने आवास से डिजिटल रूप से शामिल हुए थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा, क्या मुख्यमंत्री की इस मानसिक स्थिति के लिए उनके सहयोगी जिम्मेदार हैं जो भाजपा के इशारे पर उनके खाने में कुछ मिला रहे हैं? तेजस्वी ने बाद में संवाददाताओं से कहा, काफी समय से मुख्यमंत्री का व्यवहार असामान्य दिखाई दे रहा है। उन्होंने मेरी मां राबड़ी देवी, जो खुद एक पूर्व मुख्यमंत्री हैं, के अलावा आम तौर पर महिलाओं के बारे में भी अनुचित टिप्पणी की है। एक बार तो वह राष्ट्रगान के दौरान कैमरे में अनुचित हरकतें करते पकड़े गए थे।

राजद नेता ने कहा, कल हमने उनके असामान्य व्यवहार का एक और उदाहरण देखा। उन्होंने उस वीडियो का जिक्र किया जिसमें नीतीश कुमार अपने कंप्यूटर स्क्रीन की ओर हाथ जोड़े दिखे, जबकि उस समय उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी अपना भाषण पढ़ रहे थे।

तेजस्वी ने आरोप लगाया, स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री अब सरकार चलाने की स्थिति में नहीं हैं। एक 'सिंडिकेट' सरकार चला रहा है और जल्द ही यह बेनकाब होगा।

सुविचार

एक व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, जब उसने कभी भी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की यानी जब हम कुछ नया करते है तभी गलतियां होना स्वाभाविक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बच्चों को 'साइबर भेड़ियों' से बचाएं

एक मशहूर अभिनेता की बेटी के साथ ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान हुई अभद्र हरकत इस बात का सबूत है कि इंटरनेट को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की सख्त जरूरत है। जैसे-जैसे नई तकनीक आ रही है, गलत मानसिकता रखने वाले लोग उसका खूब दुरुपयोग कर रहे हैं। चूंकि बच्चे मासूम होते हैं, इसलिए वे उन्हें आसान शिकार समझते हैं। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब साइबर अपराधियों ने पहले तो बच्चों का विश्वास जीता, फिर उनके सामने अपने गलत इरादे जाहिर किए। बच्चों को अनजान लोगों के साथ ऑनलाइन बातचीत करनी ही नहीं चाहिए। अगर कभी ऐसा करना जरूरी हो तो अपने माता-पिता की मदद लेनी चाहिए। पवित्र मन और शुद्ध भावना रखने वाले ये बच्चे नहीं जानते कि ऑनलाइन दुनिया में कितने खतरनाक 'भेड़िए' घूम रहे हैं! बड़ों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें इस बारे में बताएं। आजकल कई घरों में एक विचित्र चलन बढ़ता जा रहा है। कामकाज में व्यस्त माता-पिता अपने बच्चों को मोबाइल फोन थमा देते हैं। उसके जरिए बच्चा क्या देख रहा है, किससे बात कर रहा है – वे इस पर कोई ध्यान नहीं देते। कई मामलों में ऐसा भी पाया गया कि जब कोई बच्चा अपने माता-पिता या परिवार के किसी सदस्य के साथ मन की बात साझा नहीं कर पाता है तो वह ऑनलाइन विकल्प ढूंढ़ने लगता है। सोशल मीडिया पर चर्चित एक मामले के अनुसार, एक किशोरी को उसकी मां ने मोबाइल फोन लाकर दिया था, ताकि जब वह बाहर हो तो जरूरत पड़ने पर उससे संपर्क कर सके। उसने बेटी को समझा रखा था कि अनजान लोगों से ऑनलाइन बातचीत नहीं करनी है।

एक दिन उसने अपनी बेटी को परखने के लिए सोशल मीडिया पर किसी काल्पनिक नाम से अकाउंट बनाया। इसके बाद बेटी से बातचीत शुरू कर दी। फिल्म, फैशन, खानपान, दोस्त, पसंद और नापसंद के बाद परिवार के बारे में पूछा। महिला को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि बेटी ने माता-पिता के नाम, घर का पता समेत कई महत्त्वपूर्ण बातें अपनी उस 'दोस्त' को बता दी थीं! बाद में महिला ने उसे समझाया कि अनजान लोगों के साथ बातचीत करते हुए ऐसी जानकारी साझा करना बहुत खतरनाक हो सकता है। प्राय: बच्चे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ये बातें साझा करने के बाद माता-पिता को बताने से इसलिए हिचकते हैं, क्योंकि उन्हें डांट-फटकार का डर रहता है। अगर कोई बच्चा ऐसी परिस्थिति का सामना कर रहा है तो बहुत स्नेह के साथ उसकी बात सुननी चाहिए और भविष्य में सावधान रहने के लिए कहना चाहिए। जरूरत पड़े तो पुलिस की मदद भी लेनी चाहिए। पूर्व में कुछ साइबर अपराधी यह कहते हुए (बच्चों को) ब्लैकमेल करते पाए गए थे कि 'अगर हमारी बात नहीं मानेंगे तो आपके परिवार को नुकसान पहुंचा देंगे।' उनकी धमकियों से बच्चों के मन में डर पैदा होना स्वाभाविक है। इसे दूर करना जरूरी है। बच्चों को समझाना चाहिए कि साइबर अपराधी खुद इतने डरपोक होते हैं कि वे अपने असली नाम के साथ सामने नहीं आते। उन्हें अपना चेहरा दिखाने से डर लगता है। उनकी सूचना पुलिस को दे देंगे तो वह उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इंटरनेट का इस्तेमाल सीमित करें। इसके जरिए वे ही चीजें देखें, जो आपके ज्ञान में वृद्धि करें। मोबाइल फोन के बजाय अच्छी किताबों से 'दोस्ती' करें। अगर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कोई व्यक्ति परेशान कर रहा है तो माता-पिता या शिक्षकों को बताएं। बच्चों को डरने की नहीं, बल्कि सावधान रहने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

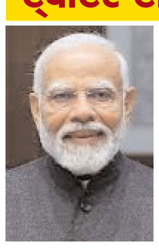

आज हमारे पास साधन है, सामर्थ्य है, हमारे पास दुनिया का सबसे बेहरतरीन टैलेंट है। हम बेस्ट प्रोडक्ट बनाएंगे, अपनी क्वालिटी और बेहतर करेंगे, सप्लाई चैन को और आधुनिक बनाएंगे। ये हम कर सकते हैं और हम जरूर करेंगे।

–नरेन्द्र मोदी

वीर भूमि मेवाड़ के अमर सपूत, आदिवासी समाज के योद्धा राणा पूंजा जी की जयंती पर उन्हें मेरा सादर वंदन। हल्दीघाटी के रण में अपने युद्ध कौशल से उन्होंने शत्रु सेना को करारा जवाब दिया तथा मातृभूमि की रक्षा का वचन निभाकर राजस्थान का अमर इतिहास बन गए।

–वसुंधरा राजे

यह बेहद शर्म की बात है कि भाजपा सरकार में ऐसी आदर्श योजना भी बदनाम हो रही है क्योंकि खांसी की दवाई से मौतें हो रही हैं। राज्य सरकार इन मौतों की जवाबदेही तय करने के बजाय स्वीकार ही नहीं कर रही है।

–अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सुलझाने का धैर्य

कबीरदास अपने जीवनयापन के लिए बुनाई का काम करते थे। एक दिन वे चरखे पर सूत कात रहे थे। अचानक धागा उलझ गया। पास बैठा शिष्य बोला, 'गुरुजी, यह धागा बहुत उलझा हुआ है। इसे काटकर नया धागा शुरू करना ही ठीक रहेगा।' कबीर मुस्कुराए और बोले, 'नहीं बेटा, धागा काटना आसान है, पर उलझे धागे को सुलझाना ही असली साधना है। जीवन भी ऐसा ही है। कठिनाइयों से भाग जाना सरल है, पर धैर्य रखकर उन्हें सुलझाना ही सच्चा ज्ञान है।' शिष्य ने कहा, 'पर गुरुजी, इसमें समय बहुत लगेगा।' कबीर ने उत्तर दिया, 'समय लगना बुरा नहीं, पर अधूरा छोड़ना बुरा है। धागे की तरह ही रिश्ते, समाज और आत्मा भी कभी उलझ जाते हैं। यदि हम उन्हें काट देंगे तो नया आरंभ संभव है, पर अधूरेपन का बोझ हमेशा रहेगा। जो धैर्य से सुलझाना सीख जाता है, वही सच्चा साधक है।' यह सुनकर शिष्य ने समझा कि गुरु केवल चरखा नहीं चला रहे, बल्कि जीवन का गहरा ज्ञान दे रहे हैं। जीवन की कठिनाइयां उलझे धागों की तरह होती हैं। उन्हें काटकर भाग जाना आसान है, पर धैर्य और विवेक से सुलझाना ही सच्ची साधना और सफलता है।

सामयिक

मूल्यों के बिना ज्ञान जड़हीन व ज्ञान के बिना मूल्य शक्तिहीन

डॉ अच्युत सामंत
'कीट', 'कीस', 'कीम्स' संस्थान के संस्थापक

भारतीय सभ्यता के अनादि चिंतन में, शिक्षा और संस्कार ये दो ऐसे शब्द हैं जो हमेशा एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह हैं, ये एक ही वस्त्र में बुने हुए दो धागों की तरह साथ-साथ रहे हैं। शिक्षा, जिसका सामान्य अर्थ ज्ञानार्जन अथवा सीखने से होता है। वहीं संस्कार में बालक के अंतःकरण अथवा आंतरिक चरित्र-निर्माण, नैतिक प्रवृत्तियाँ, विनम्रता और उदारता आदि शामिल हैं जो ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को आकार व स्वरुप देते हैं। जब हम एक को दूसरे से अलग करते हैं, तो हम या तो बुद्धिमान, निंदक लोग पैदा करते हैं या नेकनीयत आदर्शवादी। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना होता है जो ज्ञान को विवेक के साथ जीते हैं। जो हमारी लोकोक्तियों और मिथकों में प्रचलित कहानियों आदि पर विचार करें। श्रीमद्भागवद्गीता में शांतिदूत श्रीकृष्ण द्वारा वीर अर्जुन को दिया गया उपदेश वास्तविक रणनीति का पाठ है। यह वैराग्य और विनम्रता के साथ किए गए कर्तव्य पालन करने की वास्तविक शिक्षा है। महाभारत, अपने विस्तार में, धनुर्विद्या में निपुणता के साथ-साथ चरित्र की दृढ़ता की भी प्रशंसा करता है।

पंचतंत्र की जीवनोपयोगी सभी कहानियों में नैतिकता का गुणगान किया गया है। सभी कहानियां बोधात्मक हैं। ये समस्त उदाहरण हमें याद दिलाते हैं कि भारतीय चिंतन ने हमेशा शिक्षा को चरित्र निर्माण में अंतर्निहित माना है,एक-दूसरे का अन्योन्याश्रय माना है। समस्त परिणामों के लिए संज्ञानात्मक कौशल (जो हम अक्सर कक्षाओं में पढ़ाते हैं) और सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (हृदय की दृढ़ता) के बीच एक संरक्षण होना आवश्यक है। मस्तिष्क दयालुता और अनुशासित मिट्टी में सबसे अच्छी तरह से ही विकसित होता है। अगर हम उन गुणों का नाम लें जिन्हें आज विकसित किया जाना चाहिए तो एक समूह उभर कर आता है और वह है मानवीय सरोकार, ईमानदारी,वापस देने की आदत, नवोन्मेषी साहस, रुढ़ीवादिता व जड़ता को छोड़ने की आदत, विनम्रता, कृतज्ञता और अर्थ की अनंत मानवीय खोज आदि।

मानवतावाद शिक्षा को बहिर्मुखी बनाता है, यह सीखने को जीवन की बेहतरी का एक सक्षम संसाधन बनाता है। ईमानदारी बुद्धि को चालाकी से बचाती है। वापस देना उपलब्धि को सामाजिक उत्थान में बदल देता है। नवाचार यह सुनिश्चित करता है कि परंपराएँ स्थिर न हों, बल्कि पुराने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नए साधनों का उपयोग करते हुए, उनमें अनुकूलता हो अपनाएं। विनम्रता विजयोन्माद को रोकती है, कृतज्ञता अधिकार-बोध को रोकती है। इसी भावना से शैक्षिक संस्थान जीवंत मूल्यों की व्यावहारिक प्रयोगशाला बन सकते हैं।

मेरे विचार से, मेरा कीट (कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी), एक क्रियाशील खाका प्रस्तुत करता है। इसकी स्थापना इस दृढ़ विश्वास के साथ की गई थी कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली साधन है। 'कीट' संस्थान कठोर शैक्षणिक कार्यक्रमों को गहन सामाजिक पहुँच के साथ जोड़ता है। यही दर्शन व सिद्धांत कीट और उसकी सभी सहयोगी संस्थाएं जैसे कीस (कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज) में व्याप्त है। 'कीस', आदिवासी बच्चों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा व पूर्णतः निःशुल्क आवासीय शिक्षण संस्थान है जो शिक्षा और संस्कार को अपने शुद्धतम रूप में प्रस्तुत करता है। 'कीस' अपने लगभग 80,000 से अधिक आदिवासी छात्र-छात्राओं को शिक्षा, संस्कार, पोषण, उत्तम स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक संरक्षण प्रदान करता है।

यहाँ साधन और साध्य अविभाज्य हैं। 'कीस' चरित्रवान, ईमानदार और समाजहित तथा देशहित के लिए मानवनिर्माण करने वाली विश्व की एकमात्र शैक्षिक संस्थान है, विश्व का सबसे बड़ा डीम्ड विश्वविद्यालय है। वहीं शैक्षणिक गतिविधियों और कार्यकलापों के अलावा कीट एक जीवंत छात्र समाज संस्कृति का पोषण करता है, जहाँ विविध क्लब, सांस्कृतिक संघ और नवाचार प्रकोष्ठ टीम वर्क, रचनात्मकता और नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। कीट-कीस की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) हर साल आर्ट ऑफ़ गिविंग, एजुकेशन फ़ॉर ऑल, न्यू माइंड्स न्यू ड्रीम्स, कन्या किरण और कलिंग फ़ैलोशिप जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों, पर्यावरण अभियानों और आपदा राहत के लिए हज़ारों छात्र स्वयंसेवकों को संगठित करती है। कीट-कीस ये दो जीवंत प्रयोगशालाएँ हैं जहाँ कर्म के माध्यम से संस्कार सीखे जाते हैं।

किसी भी शैक्षिक संस्था के निर्माण के माध्यम से एक संस्थापक के समस्त शाश्वत मानवीय मूल्य,सामाजिक मूल्य, नैतिक मूल्य,प्रजातांत्रिक मूल्य किसी संस्थान के डीएनए को आकार देते हैं। मेरे अपने विश्वास, प्रत्येक जीवन की पवित्रता और बदले में कुछ देने का कर्तव्य, छात्रों को विरासत से जुड़े रखते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं। मेरा सादगी भरा जीवन, जिसमें कोई निजी संपत्ति या धन नहीं है, अपने आप में छात्रों के लिए एक संदेश देना है कि सफलता का मापदंड उन जीवनों से है जिन्हें हम आगे बढ़ाते हैं। यह हमें बताता है कि हम अपनी नैतिकता को खोए बिना नवाचार कर सकते हैं, जोखिम उठा सकते हैं, सपने देख सकते हैं, उसे साकार कर सकते हैं और बड़ी से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं।

युवावस्था में जो लोग स्वयं के साथ, दूसरों के साथ और अपनी भावनाओं के साथ तालमेल बिठाना सीख जाते हैं, वे ही भावी जीवन में आगे बढ़ते हैं यह अनुकूलनशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रतिबिंब है। अनुशासन आत्म-नियंत्रण का प्रतीक है। एक सकारात्मक मानसिकता भविष्य को आकार देती है और भीतर से एक प्राकृतिक चमक लाती है जो आशावाद को एक ताकत के रूप में दर्शाती है। उन अस्थायी सुखों का विरोध करना जो प्रियजनों के लिए आजीवन पीड़ा का कारण बन सकते हैं, जिम्मेदारी और दूरदर्शिता का प्रतीक है। परिप्रेक्ष्य ऊँचाई निर्धारित करता है, जिससे दृष्टिकोण सफलता का एक महत्वपूर्ण तेजस्वी बन जाता है। सच्चा विकास अकेलेपन में नहीं बल्कि दूसरों के साथ बढ़ने से, समावेशी प्रगति को अपनाने से प्राप्त होता है जो सभी को एक साथ ऊपर उठाती है। ये अमूर्त सिद्धांत नहीं हैं। ये 'कीट' का जीवंत दर्शन हैं।

यहाँ पर विद्यार्थी केवल शिक्षा प्राप्त नहीं करते अपितु वे यहां पर संस्कारों को जीते हैं, मेरे द्वारा स्थापित उदाहरण के माध्यम से मूल्यों को आत्मसात करते हैं।शिक्षा को संस्कारों के साथ जोड़ने से यह सुनिश्चित होता है कि हम न केवल सक्षम मस्तिष्कों का बल्कि कर्तव्यनिष्ठ हृदयों का भी पोषण करें। भारत में शिक्षा हमेशा से कौशल प्रशिक्षण से कहीं बढ़कर रही है। शिक्षा को संस्कारों से जोड़ना एक पवित्र कर्तव्य रहा है। मूल्यों के बिना ज्ञान जड़हीन है और ज्ञान के बिना मूल्य शक्तिहीन हैं। जब हमारे युवा आधुनिक क्षमता से सुसज्जित होते हैं और हमारी सभ्यता के शाश्वत आदर्शों में दृढ़ होते हैं, तो वे एक आत्मनिर्भर और विश्वगुरु भारत के सच्चे निर्माता बनते हैं। यही वह मिशन है जिसे कीट-कीस के सभी छात्र-छात्राएं,शैक्षिक अधिकारीगण तथा समस्त सहयोगी प्रतिदिन जीते हैं। कीट-कीस संस्थान ऐसे स्नातक तैयार करते हैं जो अपने पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, अपने समुदायों की सेवा करते हैं, और हमारे भारत राष्ट्र की शाश्वत भावना को आगे बढ़ाते हैं।

● लेखक महान शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं जिन्हें अब तक भारत समेत पूरे विश्व के नामी विश्वविद्यालयों से कीर्तिमान कुल 68 मानद डॉक्टरेट की डिग्री मिल चुकी है।

मुद्दा

भारत में खत्म होते रिश्ते

राजभवन
मोबाइल नं. 8700530421

भारत संस्कृतियों का देश है। यहां पर हर राज्य की भाषा, खान-पान, रहन-सहन विभिन्न प्रकार के है। कहा जाता है कि भारत को समझना है तो सबसे पहले हमें भारत के गांवों को घूमकर देखना होगा। गांवों को यदि हम समझते है तो हमें पता चलता है कि मानवता अभी भी जिंदा है। गांव के लोग अभी भी निस्वार्थ आज भी सभी को भोजन कराते है। गांव के लोगों के चेहरे की हंसी आज भी सच्ची है। गांव में हरियाली है। शहरों में केवल पत्थरों के मकान है। साथ ही दिल भी पत्थर के हो गए है। सड़क पर दुर्घटना में लगी चोट वाले व्यक्ति का लोग यहां विडियों बनाते है। सहायता नहीं करते है। इसलिए आज भी शहर वाले लोगों को यदि सकून चाहिए तो वह गांव की तरफ ही रुख करते है। आज गांव में सब कुछ है। लेकिन गांव से शहर की तरफ पलायन आज बड़ी समस्या है। लोग गांव छोड़कर शहरों में बस रहे है। शहरों में मंहगाई बहुत है। घर का किराया देना है, बच्चों की स्कूल की फीस देनी है, ऑफिस आने जाने का खर्चा अलग से है। इसलिए एक परंपरा चल पड़ी है। कि बच्चे दो ही अच्छे। इसी के साथ अब एक और नारा चलने लगा है। छोटा परिवार सुखी परिवार।

कभी हमारे यहां संयुक्त परिवार हुआ करते थे। आज छोटा परिवार यानि एकल परिवार हो गया है। आज परिवारों में केवल एक या दो बच्चे होते है। छोटे परिवार का आज दुप्रभाव यह है कि कभी हमारे यहां मामा, मामी, चाचा, चाची, भैया, भाभी, देवरानी, जेठानी, सास, ससुर, नाना, नानी, दादा, दादी, मौसी, मौसा, फुआ/बुआ, फुफा, साढु, सढुआइन, जीजा, साली, माता, पिता, भाई, बहन आदि में से बहुत से रिश्ते आज खत्म होने के समीप है। ऊपर से इस अंग्रेजी के शब्दों ने हमारे कई रिश्तों के लिए एक ही शब्द गढ़ दिए गए है जैसे मामा- मामी, चाचा- चाची, मौसी-मौसा, फुआ/बुआ-फुफा के लिए अंग्रेजी में केवल एक ही शब्द काफी है वह है अंकल और आंटी।

मानकर चलते है कि एक परिवार छोटा है तो उसमें मां-बाप और एक बेटा या बेटी ही है। अब बेटे या बेटी की शादी होती है उसके बाद उसके एक बेटा या बेटी होता/होती है। तो अब वह सब किसको मौसा-मौसी, बुआ-फुफा, मामा-मामी, भैया-भाभी, चा-चाची और जीजा-साली कहेंगें। एक भाई या बहन न होने से यह सभी रिश्ते समाप्त होने की कगार पर आ गए है। निकट भविष्य में इनमें से बहुत से रिश्ते खत्म हो जाएगें और हमारी आने वाली पीढ़ी पूछेगी कि ये सब कौन से रिश्ते होते थे।

नजरिया

शरद पूर्णिमा - अमृत बरसाती चांदनी और माता लक्ष्मी की कृपा

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

शरद पूर्णिमा का पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और महत्त्वपूर्ण माना गया है। आश्विन मास की पूर्णिमा को यह उत्सव मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं और उन्होंने भगवान विष्णु को अपना पति स्वीकार किया। तभी से यह दिन लक्ष्मी पूजन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस रात देवी लक्ष्मी धरती पर भ्रमण करती हैं और अपने जाग्रत भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। इसीलिए इसे कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है-कौन जाग रहा है। विश्वास है कि इस रात जो भी जागकर भक्ति करता है, उस पर देवी लक्ष्मी प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाती हैं। इस वर्ष शरद पूर्णिमा सोमवार, 6 अक्टूबर 2025 को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि का आरंभ दोपहर 12 बजकर 24 मिनट पर होगा और इसका समापन अगले दिन 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 18 मिनट पर होगा। चूंकि परंपरा के अनुसार व्रत उस दिन किया जाता है जब पूर्णिमा तिथि संध्या के समय होती है, इसलिए पूजा-व्रत 6 अक्टूबर को ही संपन्न होंगे।

शरद पूर्णिमा की रात का विशेष महत्व है क्योंकि इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण दिखाई देता है और उसकी किरणों को अमृतमयी माना जाता है। जनश्रुति है कि इस रात चंद्रमा की चांदनी अमृत बरसाती है और उसके प्रभाव से धरती पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यही कारण है कि इस दिन खीर बनाने और उसे खुले आकाश तले चांदनी में रखने की परंपरा है। रातभर रखी खीर को प्रातःकाल प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जिससे स्वास्थ्य लाभ, मानसिक शांति और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा भी प्रचलित है। कहा जाता है कि एक व्यापारी की दो बेटियां थीं, जो धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। बड़ी बेटी पूर्णिमा के व्रत-उपवास में अत्यंत निष्ठावान थी और पूर्ण श्रद्धा से व्रत करती थी, जबकि छोटी बेटी व्रत तो करती थी, लेकिन पूर्ण नियमों का पालन नहीं करती थी और संध्या से पहले ही भोजन कर लेती थी। विवाह के बाद बड़ी बहन को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई और उसका परिवार सुखी रहा, जबकि छोटी बहन की संतान जीवित नहीं रहती थी। इससे दुखी होकर उसने एक महात्मा से उपाय पूछा। महात्मा ने बताया कि उसका मन ईश्वर भक्ति में एकाग्र नहीं होता, इसलिए उसे यह कष्ट भोगना पड़ता है। उन्होंने उसे शरद पूर्णिमा का व्रत विधिपूर्वक करने का उपदेश दिया। छोटी बहन ने व्रत तो किया, लेकिन पुत्र जीवित न रह सका। तभी बड़ी बहन वहां आई और संयोग से जब उसके वस्त्र शिशु से स्पर्श हुए तो मृत शिशु जीवित हो उठा। यह देखकर छोटी बहन को व्रत की महिमा का बोध हुआ और उसने श्रद्धा से व्रत किया। तभी से इस व्रत का महत्व और भी बढ़ गया।

इस रात विशेष पूजन और उपाय करने का विधान है। चंद्रमा को अर्घ्य देना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके लिए स्वच्छ जल से भरे लोटे में चावल और फूल डालकर चंद्रमा को अर्पित किया जाता है। चंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए ॐ श्रीं श्रीं चन्द्रमसे नमः मंत्र का जाप लाभकारी माना गया है। देवी लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए इस रात उनके मंत्रों का 108 बार जप करने से धन-धान्य की प्राप्ति होती है। विशेषकर ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं त्रिभुवन महालक्ष्म्यै अस्माकं दारिद्रय नाशय प्रचुर धनं देहि देहि क्लीं ह्रीं श्रीं ॐ या ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः मंत्र का जाप करना अत्यंत फलदायी माना गया है। इस रात तुलसी पूजन का भी महत्व है। तुलसी के पास शुद्ध घी का दीपक जलाकर माता को प्रणाम करना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

शरद पूर्णिमा केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। कहा जाता है कि इस समय चंद्रमा की किरणें शरीर और मन पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। ये किरणें मन को शांति, ताजगी और ऊर्जा प्रदान करती हैं। इसलिए इस रात ध्यान, भजन-कीर्तन और साधना करने की परंपरा है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और समृद्धि का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि नियमपूर्वक और निष्ठा के साथ किए गए व्रत-उपवास ही जीवन में वास्तविक फल प्रदान करते हैं। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा एक साथ प्राप्त होती है और भक्त की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि शरद पूर्णिमा हर वर्ष बड़ी आस्था और उल्लास के साथ मनाई जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

तैयारी

पश्चिम बंगाल के नादिया में रविवार को 'लक्ष्मी पूजा' उत्सव की तैयारियों के तहत एक लड़की देवी लक्ष्मी की मिट्टी की मूर्ति लेकर जाती हुई।

रक्षा मंत्री आसिफ ने भारत को पाकिस्तान के साथ भविष्य में किसी भी सैन्य संघर्ष के खिलाफ चेतावनी दी

इस्लामाबाद/भाषा। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रविवार को भारत को पाकिस्तान के साथ भविष्य में किसी भी सैन्य संघर्ष के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी शत्रुता की स्थिति में मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। आसिफ की यह प्रतिक्रिया भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा पाकिस्तान को किसी भी दुस्साहस के खिलाफ चेतावनी दिए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय हमलों में एफ–16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए।भारत यह कहता रहा है कि मई में भारतीय सेना द्वारा विभिन्न पाकिस्तानी सैन्य ढांचों पर बमबारी के बाद पाकिस्तान ने संघर्ष समाप्त करने की गुहार लगाई थी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आसिफ ने नई दिल्ली के शीर्ष सुरक्षा प्रतिष्ठान के ''भड़काऊ बयानों'' को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। आसिफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, भारतीय सेना और राजनीतिक नेतृत्व के बयान उनकी धूमिल प्रतिष्ठा को बहाल करने का एक असफल प्रयास हैं। 0–6 के स्कोर वाली इतनी निर्णायक हार के बाद, अगर वे फिर से कोशिश करेंगे।

न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को पोर्टलैंड में सैनिक तैनात करने से अस्थायी रूप से रोका

पोर्टलैंड/एपी। अमेरिका में ओरेगन राज्य के एक संघीय न्यायाधीश ने राज्य और उसके शहर पोर्टलैंड द्वारा दायर एक मुकदमे में फैसला सुनाते हुए देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के पोर्टलैंड में 'नेशनल गार्ड' तैनात करने के आदेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने केंद्रीय अधिकारियों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड तैनात करने का आदेश दिया था।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश करिन इमरगुट ने मुकदमे में बहस लंबित रहने तक यह आदेश जारी किया। वादियों का कहना है कि 'नेशनल गार्ड' की यह तैनाती अमेरिकी संविधान के साथ–साथ उस संघीय कानून का भी उल्लंघन है जो आम तौर पर घरेलू कानूनों को लागू करने में सेना के इस्तेमाल पर रोक लगाता है।

इमरगुट ने अपने आदेश में लिखा कि यह मामला तीन मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांतों के परस्पर संबंध से जुड़ा है: ''संघीय सरकार और राज्यों के बीच संबंध, सेना और घरेलू कानून प्रवर्तन के बीच संबंध और सरकार की कार्यपालिका, विधानपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन। न्यायाधीश ने कहा कि आम तौर पर राष्ट्रपति उन परिस्थितियों में 'नेशनल गार्ड' सैनिकों की तैनाती का आदेश दे सकते हैं जब नियमित कानून प्रवर्तन बल अमेरिका के कानूनों का पालन नहीं कर पाते लेकिन पोर्टलैंड में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वादियों ने यह साबित किया कि राष्ट्रपति के आदेश से पहले पोर्टलैंड आव्रजन केंद्र में हुए प्रदर्शन अधिक हिंसक या विघटनकारी नहीं थे। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति का यह निर्णय तथ्यों से बिल्कुल परे है। रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि वह ओरेगन के 'नेशनल गार्ड' के 200 सदस्यों को 60 दिनों के लिए संघीय नियंत्रण में रख रहा है ताकि उन जगहों पर संघीय संपत्ति की सुरक्षा की जा सके जहां प्रदर्शन हो रहे हैं या होने की संभावना है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एवं इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने शनिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन इलिनोइस के नेशनल गार्ड के 300 सैनिकों का संघीयकरण करने की योजना बना रहा है, जो अमेरिकी शहरों में राष्ट्रपति द्वारा संघीय हस्तक्षेप की हालिया वृद्धि को दर्शाता है।

नेपाल में बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ में 51 लोगों की मौत

काठमांडू/भाषा। पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर कल रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिसके कारण रविवार सुबह तक कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई।

सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता कालिदास धौवजी ने बताया कि पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण कोशी प्रांत में इल्लम जिले के विभिन्न स्थानों पर कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है।

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन 37 लोगों में से देउमाई और माईजोगमाई नगरपालिका क्षेत्रों में आठ– आठ लोगों की मौत हुई, इल्लम नगरपालिका और संदकपुर ग्रामीण नगरपालिका में छह–छह, मंगसेबुंग में तीन और फाकफोकथुम गांव में एक व्यक्ति की मौत हुई है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण उदयपुर में दो और पंचथार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा, रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो लोगों की मौत हो गई।

इस बीच, पंचथार जिले में भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण हुई एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई।

रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफनती नदी में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हो गए, और इल्लम, बारा तथा काठमांडू में बाढ़ की घटनाओं में एक–एक व्यक्ति लापता हैं।

धौबाजी ने बताया कि लांगंग क्षेत्र में ट्रैकिंग अभियान पर गए 16 लोगों में से चार लोग भी लापता हो गए हैं। नेपाल सेना, नेपाल पुलिस और एपीएफ के जवान बचाव अभियान में शामिल हैं। सुरक्षाकर्मियों ने विमान से इल्लम जिले से एक गर्भवती महिला सहित चार लोगों को बचाया और उन्हें धरान नगरपालिका के एक अस्पताल में भर्ती कराया। नेपाल के सात प्रांतों में से पांच प्रांतों में मानसून सक्रिय है जिनमें कोशी, मधेश,बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी शामिल हैं। पड़ोसी देश को मदद की पेशकश करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, नेपाल में भारी बारिश से हुई जनहानि और क्षति दुखद है।

इस कठिन समय में हम नेपाल की जनता और सरकार के साथ हैं। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, एक मित्रवत पड़ोसी और प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में, भारत हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस

जयपुर में रविवार को बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी (दाएँ) और डिजिटल फाउंडेशन 'आधारशिला' की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

मेरे लिए फैशन वह है जो आरामदायक हो : त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में इन दिनों बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2025 चल रहा है। इसमें बॉलीवुड और टीवी की कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। यहां लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यंका त्रिपाठी दहिया भी दिखाई दीं। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में फैशन और ब्रांड्स पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए फैशन का क्या मतलब है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ब्रैंड के प्रति ज्यादा लगाव रखती हैं, तो दिव्यंका ने कहा, 'नहीं, मैं ब्रैंड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं अपनी पसंद की चीजें लेना पसंद करती हूं, चाहे उनका ब्रांड कुछ भी हो। अगर वह मुझे पसंद आती है, तो वह अधिक महत्वपूर्ण है। जो मुझे सूट करता है और जो मुझे पसंद है, मैं वही चुनती हूं, चाहे उसका ब्रांड कुछ भी हो। उनके लिए फैशन के क्या मायने हैं, इस बारे में आगे बात करते हुए दिव्यंका ने बताया, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। हां, यह आंखों को भाने वाला होना चाहिए, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि यह मेरे लिए आरामदायक होना चाहिए। जो भी चीज आरामदायक होने के साथ–साथ आकर्षक भी हो, वह फैशन है, चाहे वह सादा हो या शानदार। दिव्यांका त्रिपाठी अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भारतीय परिधानों में दिखाई देती हैं। उनके फैशन सेंस का लोग जमकर तारीफ करते हैं। वह पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के परिधानों को अच्छी तरह से कैरी करती दिखाई देती हैं। दिव्यांका को टीवी सीरियल 'बनू मैं तेरी दुल्हन' से प्रसिद्धि मिली। इसके बाद वो सीरियल 'ये है मोहब्बतें' में डॉ. इशिता भल्ला की भूमिका निभाकर लोगों के दिलों में बस गईं। यह भारतीय टीवी सीरियल्स के लोकप्रिय पात्रों में से एक है। फैंस उन्हें प्यार से 'इशिमा' भी कहते हैं, जो शो में उनकी ऑनस्क्रीन बेटी उन्हें कहकर बुलाती है। दिव्यांका ने 2016 में अभिनेता विवेक दहिया से शादी की। यह कपल अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को फिटनेस और कपल गोल्स की प्रेरणा देता दिखाई देता है। यह कपल टीवी जगत की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है।

मैं चिंकी और मिंकी के साथ कोई संपर्क नहीं रखना चाहती : कृष्णा श्रॉफ

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी शो 'छोरिया चली गांव' को उसका विनर मिल चुका है। अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने इसकी पहली टॉफी अपने नाम की, जबकि शो की पहली रनर–अप कृष्णा श्रॉफ रहीं। उनका यह पहला रियलिटी शो था, जिसमें उनकी भागीदारी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही बताया कि 'छोरिया चली गांव' में उनका फेवरेट कंटेस्टेंट कौन था और किसके साथ वह रिश्ता नहीं रखना चाहतीं। जब उनसे आईएएनएस ने पूछा कि क्या वह शो में किसी खास प्रतियोगी के संपर्क में नहीं रहना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, सच कहूं तो ज्यादातर लोग मेरे लिए मायने नहीं रखते, लेकिन अगर किसी का नाम लेना हो, तो मैं चिंकी और मिंकी का जिक्र करूंगी। यह उनकी पर्सनैलिटी का सवाल नहीं, बल्कि परिपक्वता की बात है। समझना जरूरी है कि कब और कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

शो की विनर अनीता हसनंदानी के बारे में बात करते हुए कृष्णा श्रॉफ ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, शो में अनीता से हारना मेरे लिए स्वीकार्य था। मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे हराया, क्योंकि वह मेरी सबसे मजबूत प्रतियोगी और शो की सबसे अनुभवी महिला थीं। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया और सिर्फ प्रतियोगिता पर फोकस रखा। मैं उनकी इस खासियत का पूरा सम्मान करती हूं।

शो का फिनाले कृष्णा श्रॉफ और उनके परिवार के लिए बहुत ही खास रहा। इस दौरान कृष्णा की मां आयशा भी यहां मौजूद रहीं। रियलिटी शो का परिणाम सामने आने से पहले ही उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी ही उनके लिए विनर हैं।वहीं शो में भाग लेने से पहले अभिनेता और उनके पिता जैकी श्रॉफ ने कहा था कि इस शो में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाएगी और यहां से वह अनमोल अनुभव लेकर वापस लौटेंगी। कृष्णा श्रॉफ ने ही कहा था कि वह अपने पिता के प्रेरित करने के बाद ही इस शो का हिस्सा बनने को तैयार हुई थीं।

नेहा कक्कड़ के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर झूमी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी इंडस्ट्री में अब डांस और एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर भी कलाकारों की खास मौजूदगी देखने को मिलती है। आज के दौर में इंस्टाग्राम फैंस से जुड़ने का एक आसान और मजेदार जरिया बन गया है, जहां कलाकार अपनी जिंदगी के छोटे–छोटे पल, परफॉर्मेंस और खास इवेंट्स की झलकियां फैंस के साथ साझा करते हैं। इस कड़ी में रविवार को भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय एक्ट्रेस श्वेता शर्मा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो पोस्ट किया। पोस्ट ने उनके फैंस के बीच काफी चर्चा बटोरी है। इस वीडियो में श्वेता शर्मा ने अपनी जबरदस्त डांसिंग स्किल्स दिखाते हुए नेहा कक्कड़ के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर परफॉर्म किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। श्वेता शर्मा के इस इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने एक इवेंट में अपनी परफॉर्मेंस का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह बड़े ही जोश के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। उनका डांस इतना खूबसूरत और दमदार है कि हर कोई उनके वीडियो को दोबारा जरूर देख रहा है। वीडियो में वह नेहा कक्कड़ और यश नारवेकर के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर नोरा फतेही की स्टाइल में डांस करती दिख रही हैं। अपने शानदार डांस मूव्स से श्वेता ने स्टेज पर धमाल मचा दिया। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'प्यार दो प्यार लो' पर पावर पैक और एनर्जेटिक परफॉर्मेंस। स्टेज पर मजा दिया धमाल। प्योर वाइब्स। ऑडियंस ने भरपूर एन्जॉय किया। बात करते हैं गाने 'एक तो कम जिंदगानी' की, तो इस गाने को नेहा कक्कड़ और यश नारवेकर ने गाया है। वहीं म्यूजिक तनिष्क बागची ने दिया है। यह गाना एक पुराने क्लासिक गीत 'प्यार दो प्यार लो' का रीमिक्स वर्जन है, जो पहले सपना मुखर्जी ने गाया था। बता दें कि हाल ही में श्वेता शर्मा को पवन सिंह के गाने 'घाघरी' के लिए खूब सराहना मिली। म्यूजिक वीडियो में उनके ग्लैमरस लुक ने चार चांद लगा दिए।

कैसे विनोद खन्ना ने विलेन की छवि को तोड़कर हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार का मुकाम किया हासिल ?

मुंबई/एजेन्सी

विनोद खन्ना हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा सितारों में से एक थे, जिनका सफर नेगेटिव रोल से हीरो बनने तक बेहद खास और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने न सिर्फ अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया, बल्कि एक अलग पहचान भी बनाई। विनोद खन्ना ने अपनी शुरुआत फिल्मों में खलनायक के रूप में की, लेकिन उनके लुक और दमदार अभिनय ने उन्हें जल्द ही हीरो का किरदार दिलवा दिया। विनोद खन्ना का जन्म 6 अक्टूबर 1946 को पेशावर (अब पाकिस्तान) में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बंटवारे के वक्त परिवार बाद में भारत आकर मुंबई में बस गया। एक्टिंग में उनकी दिलचस्पी बचपन से ही थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाने का फैसला किया। हालांकि उनके पिता शुरुआत में इसके खिलाफ थे, लेकिन बेटी की मेहनत और लगन को देख वह भी राजी हो गए और विनोद को अपना सपना पूरा करने का मौका दिया। साल 1968 में विनोद खन्ना को पहली बड़ी सफलता मिली जब उन्हें फिल्म 'मन का मीत' में खलनायक का रोल मिला। उस समय हिंदी फिल्मों में विलेन या नेगेटिव रोल निभाना आसान नहीं था, लेकिन विनोद ने इसे अपनी ताकत बना लिया। अपने डैशिंग लुक और एक्सप्रेशन के दम पर उन्होंने नेगेटिव रोल में भी खुद को साबित कर दिखाया। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाई और दर्शकों के दिलों में अपनी अलग जगह बनाई। लेकिन उनकी नियति में हीरो बनना भी लिखा था।

धीरे–धीरे विनोद खन्ना को फिल्मों में हीरो के रोल मिलने लगे। साल 1971 में आई फिल्म 'मेरे अपने' में उन्हें पहली बार मुख्य भूमिका में देखा गया, जिससे उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ। यह फिल्म दर्शकों के बीच इतनी पसंद की गई कि विनोद खन्ना ने अपना नाम एक हीरो के तौर पर पक्का कर लिया। इसके बाद उनकी कई हिट फिल्में आईं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'अमर अकबर एंथोनी', 'कुर्बानी', और 'दयावान'। इन फिल्मों ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ विलेन ही नहीं, बल्कि बेहतरीन हीरो भी हैं।

विनोद खन्ना की खास बात यह थी कि उन्होंने कभी खुद को स्टारडम में फंसने नहीं दिया। वे अपनी मेहनत और सादगी से हमेशा सबका दिल जीतते रहे। उन्होंने अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और सुनील दत्त जैसे दिग्गजों के साथ काम किया, लेकिन अपनी अलग पहचान बनाई। 'अमर अकबर एंथोनी' और 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों में उनकी जोड़ी अमिताभ बच्चन के साथ दर्शकों की फेवरेट रही। उनका करियर इतना शानदार था कि 1980 के दशक में वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेताओं में शामिल थे। लेकिन इसी दौर में उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया। 1982 में वह अपने आध्यात्मिक गुरु ओशो की शरण में चले गए और फिल्मों से दूरी बना ली। करीब पांच साल बाद 1987 में फिल्म 'इंसाफ' से उन्होंने वापसी की, और फिर से दर्शकों के दिलों पर राज किया।

विनोद खन्ना को उनके अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। उनके अभिनय की तारीफ हर जगह हुई और फिल्मी जगत ने उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया। इसके अलावा, वह राजनीति में भी सक्रिय रहे और भाजपा के नेता के तौर पर कई बार लोकसभा चुनाव जीत चुके थे। 27 अप्रैल 2017 को विनोद खन्ना का निधन हो गया। कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन आज भी उनकी यादें और उनकी फिल्मों का जादू दर्शकों के दिलों में बसा हुआ है।

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग–अलग जॉनर में चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी। यह युवा अभिनेत्री, तेजी से बढ़ता फैन–बेस और कई भाषाओं की फिल्मों में उनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि कृति आने वाले समय में पैन इंडिया सुपरस्टार की श्रेणी में शामिल होने की राह पर हैं, और तेज़ी से दक्षिण सिनेमा की अगली बड़ी हस्ती बनती जा रही हैं।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

आज के बालक कल का भविष्य हैं उनका उज्ज्वल निर्माण जरूरी : राष्ट्रसंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि सुसंस्कारों के बिना उपार्जित किया ज्ञानार्जन अशांति, विपत्ति ,संकट, परेशानी और विनाश का कारण ही बनेगा। संस्कार विहीन जीवन पशु के समान है। यहां आदि पारस जैन आर्य संस्कार विद्यापीठ माधवाराम के अध्यापकों और विद्यार्थियों को संयुक्त संबोधन करते कहा की है संस्कारों के माध्यम से ही चरित्र का निर्माण किया जा सकता है। शिक्षा का लक्ष्य अर्थ उपार्जन के साथ-साथ मानव उत्थान का भी होना चाहिए डिग्री की शिक्षा बड़ी परंतु मानवीय मूल्यों का पतन हुआ।

उन्होंने कहा कि गुरुकुल पद्धति के अंदर आचार विचार और व्यवहार और सबके साथ समानता का व्यवहार मुख्य लक्ष्य होता है उसी से मानवता का निर्माण होता है। वर्तमान की शिक्षा प्रणाली अंग्रेजों की मानसिक गुलामी की मानसिकता से ग्रसित है, जिसमें संस्कृति, सभ्यता और संस्कार का कहीं दर्शन नहीं होता है।

राष्ट्र संत ने बताया कि बालक, बालक ही नहीं हमारी अनमोल धरोहर है। जिनके कंधों पर देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होने वाला है। जिसके अंदर संस्कारों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। सच्ची शिक्षा और ज्ञान वही है जिसमें कर्तव्यों का बोध हो, संवेदना से परिपूर्ण हो, आत्मा को कर्मों से मुक्त कैसे किया जाए, जिससे इस लोक और परलोक दोनों का कल्याण हो। संस्कारों का धन सर्वप्रिय धन है। इस धन को कोई चुरा नहीं सकता, बांट नहीं सकता, जन्म जन्मांतर तक आत्मा का मार्गदर्शन करता है। सादा जीवन उच्च विचार शिक्षा का हो यही प्रचार। गुरुकुल के व्यवस्थापक नरेश बजावत ने कहा कि 21वीं सदी के लिए संस्कार क्रांति के माध्यम से ही हिंदुस्तान विश्व गुरु बनेगा सज्जन राज सुराणा जितेंद्र भंडारी ने उनका स्वागत किया।

अपनों की नहीं, अपनी सुनो तभी मिलेगा मोक्ष का मार्ग : समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सान्निध्य में रविवार को उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का पाँचवाँ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अपने प्रवचन में मुनिश्री ने कहा कि जो व्यक्ति अपनों की बात सुनता है वह अक्सर कातिल बनने की राह पर आगे बढ़ता है, जबकि जो व्यक्ति अपनी आत्मा की आवाज़ सुनता है वह केवली (सर्वज्ञ) बनने की राह पर आगे बढ़ता है।

मुनिश्री ने कहा, ध्यान रखो, जब-जब तुम अपनों की सुनते हो, तब-तब अपने ही कातिल बनते हो। तुम्हें क्रोधी, लालची और कपटी बनाने वाले कौन हैं? वे भी अपने ही हैं। इसीलिए जो व्यक्ति अपनों की बात को सुनता है, वह कातिल बनने की राह पर चलता है, जबकि जो अपनी आत्मा की आवाज़ सुनता है, वह केवली बनने की राह पर चलता है। वास्तव में हमारी आत्मा के अलावा हमारा कोई नहीं है। प्रवचन के दौरान मुनिश्री ने एक उदाहरण देकर अपनी बात को समझाया।

उन्होंने कहा कि दुनिया कहती है अपनों की सुनो, लेकिन आगमकार कहते हैं कि अपनों की सुनने से पहले अपनी आत्मा की सुनो। उन्होंने समझाया, देने से पहले कभी मत सोचो, लेकिन मांगने से पहले जरूर सोचो। बिना सोचे दो लेकिन बिना सोचे मांगो मत।

मुनिश्री ने प्रतिदिन के संकल्प के बारे में भी बताया। हर सुबह उठते ही अपने मन में यह ठान लो कि आज मुझे कोई ऐसा 'खोटा काम' नहीं करना है जिससे मेरी दुर्गति पक्की हो जाए। याद रखो कि मैं खोटा काम नहीं करूँगा, क्योंकि मेरे गुरु, भगवान, धर्म और खानदान सभी अच्छे हैं। और तुम्हें खोटा काम करने का कोई वीज़ा भी नहीं मिला है। अगर तुम्हें लगता है कि मेरे गुरु, भगवान और खानदान सभी अच्छे हैं तो तुम्हें धर्म करना ही होगा। और अगर लगता है कि नहीं अच्छे हैं तो फिर धर्म की भी ज़रूरत नहीं है। जो सबसे ज़्यादा अच्छा है उसी से सबसे ज़्यादा धर्म करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी व्यक्ति या वस्तु से अत्यधिक स्नेह करना नुकसानदायक है। परमात्मा कहते हैं कि स्नेह कम हो तो अच्छा है। मोह जब तक कम नहीं होगा तब तक आत्मा का बेड़ा पार नहीं होगा। हद से ज्यादा क्रोध करोगे तो कर्म आकर ब्रेक लगा देगा। स्नेह करने वालों के प्रति भी स्नेह मत रखो। जितना ज्यादा लगाव होगा, मानसिक बीमारी उतनी ही होगी। इसलिए साथ रहो, लेकिन 'अटैचमेंट' (लगाव) जितना कम हो उतना अच्छा है।

मुनिश्री ने बताया कि यदि यह बात जीवन में आ जाए तो जितना भी तनाव और डिप्रेशन है, वह सब समाप्त हो जाएगा। मन की बीमारी का इलाज किसी भी डॉक्टर के पास नहीं होता। इसलिए अटैचमेंट कम करना ही सबसे बड़ा उपाय है। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

श्रीपुरम में विद्या नेत्रम छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर। यहां तिरुमलाइकुडी के श्री नारायणी पीठम् में 5 अक्टूबर को विद्या नेत्रम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री सक्ति अम्मा के दिव्य सान्निध्य और आशीर्वाद में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली कॉलेज छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और उनके शैक्षणिक विकास में सहयोग देना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, भारत सरकार के माननीय अध्यक्ष किशोर मकवाना उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है और समाज के प्रत्येक वर्ग को इसके लिए समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां प्रदान कीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

साक्षी अम्मा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन संभव है और युवा पीढ़ी को सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। यह जानकारी दलपत भायल ने दी उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक और श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सभी ने श्री सक्ति अम्मा के आशीर्वाद से प्रेरणा ग्रहण की।

चलते फिरते तीर्थ थे उपाध्यायश्री पुष्कर मुनि : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

गुरुवन्ना देवरु मठ परिसर में पुष्करमुनिजी 116वीं जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के तत्वावधान में उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में उपाध्याय पुष्करमुनिजी की 116 वीं जयंती 3-3 सामायिक व्रत आराधना व पंच दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम की पूर्णाहुति के साथ रविवार को मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब व चंडीगढ़ के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया उपस्थित थे। नरेशमुनिजी ने साधना के शिखर पुरुष उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी की जयंती पर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि पुष्कर मुनि जी महाराज चलते फिरते तीर्थ थे। उन्होंने देश के अनेक राज्यों में विचरण करते हुए भगवान महावीर के जिनशासन की महत्ती प्रभावना करते हुए अहिंसा, सत्य, सदाचार, मानवता धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए सभी श्रद्धालुओं के हृदय में अपनी गहरी छाप छोड़ी और संपूर्ण भारत वर्ष के साथ विश्व पटल पर जन जन की आस्था केन्द्र बन कर विश्व सन्त के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की। नरेशमुनिजी कहा कि यह भारत की भूमि संत ऋषि मुनियों की पावन भूमि है।उनका जल कमलवत निर्लिप्त जीवन मानव मात्र के लिए एक आदर्श प्रेरणा स्रोत था। उन्होंने गुरुदेव के अनेक विशिष्ट गुण विशेषकर पिण्डबल, भुजाबल, पुण्यबल, प्रज्ञाबल और प्रभुबल के माध्यम से गुणगान करते हुए उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत महान साधक सन्त शिरोमणि बताया। ङ्गङ्गशालिभद्रमुनि जी ने उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी के गुण स्मरण करते हुए उन्हें बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व का धनी महान संयमी शिरोमणि महापुरुष बताया। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति निष्ठा और समर्पण भाव रखना चाहिए, जिससे गुरु हमारे जीवन को कल्याण की दिशा में आगे बढ़ा देते हैं। साध्वी सत्यप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी, समृद्धिश्रीजी, तरुणशीलाजी, निर्मलाश्रीजी ने पुष्करगुरुजी के गुणों का स्मरण करते हुए उन्हें ज्ञान, दर्शन और चरित्र साधना का त्रिवेणी संगम बताया।ङ्गङ्गइस अवसर पर गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि उपाध्यायश्री पुष्कर मुनि जी का जीवन प्रेरणा का स्रोत है। वे मेरे परिवारिक गुरु हैं। उन्होंने जैन समाज में पंचसितारा होटल व रात्रि में होने वाली शादियों व समाज में बढ़ती कुरीतियों को रोकने की बात कही। उन्होंने कहा कि मैं उपप्रवर्तक नरेशमुनि जी में भी गुरुदेव श्री पुष्कर मुनि जी की निर्मल छवि नजर आती है। सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुमुक्षु लवेश की दीक्षा के लिए 25 जनवरी का मुहूर्त घोषित हुआ। दीक्षा गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना भवन में होगी व मीठालाल भरतकुमार भंसाली व जवरीलालजी उत्तमचंद रातड़िया परिवार ने लाभ लिया।

कार्यक्रम में कर्नाटक के विभिन्न शहरों, पूना, इचलकरंजी आदि शहरों से गुरु भक्त शामिल हुए। मैसूरु, पूना, इचलकरंजी आदि अनेक संघों ने नरेशमुनिजी से आगामी चातुर्मास के लिए निवेदन किया। कार्यक्रम का संचालन सुमेर कोचर गंगावती ने किया। सभी को धन्यवाद चातुर्मास समिति के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने किया। इस मौके पर ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। युवा मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल ने व्यवस्था सँभाली।

अणुव्रत समिति ने मनाया पर्यावरण दिवस, लगाए पौधे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के अणुव्रत समिति के तत्वावधान में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सोनडेकुप्पा डेयरी कॉपरेशन मेंबर के सोम्मना की अध्यक्षता में 100 पौधेरोपण किए। समिति के मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत ने आम, सुपारी, नारियल, लौंग, इलायची के पौधे वितरित किए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता मल्लेश्वरम नेत्र चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञ डॉ.दयानंद मूर्ति ने पर्यावरण को शुद्ध रखने एवं जल ही जीवन के बारे में विशेष वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में दासरहल्ली के प्रकाश गांधी और कैलाश बोहरा उपस्थित थे।

एसपी रोड हब्बा में दिख रहा है ग्राहकों का उत्साह

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एसपी रोड हब्बा-2025 जारी है। हब्बा के संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि सदस्यों को अपना व्यवसाय बढ़ाने हेतु आयोजित इस हब्बा में ग्राहकों को लकी ड्रा जीतकर दशहरा दीपावली का एक उपहार प्रदान करने का बड़ा अवसर प्रदान किया है। हब्बा के मुख्य प्रायोजक सैनडिस्क कम्पनी के साथ सह प्रायोजक कैनन और जेबरा कम्पनियां हैं और इसके साथ ही एसपी रोड के बारह सौ से अधिक प्रतिष्ठान इस हब्बा में बहुत ही उत्साह पूर्वक भाग ले रहे हैं। हब्बा में गिफ्ट्स में एक टू व्हीलर गाड़ी, लैपटॉप, होम थिएटर, पार्टी स्पीकर के साथ वायरलैस स्पीकर माइक, स्मार्ट वाच, ईयर बड्स आदि वस्तुएं शामिल हैं।शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'सीखो भागवत गीता' कक्षा का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माँ दधिमती सेवा धाम और गीता परिवार के संयुक्त तत्वाधान में बाल संस्कार शिविर एवं भगवत गीता सीखने का आयोजन साहुकारपेट स्थित दाहिमा भवन में आयोजित किया गया। जिसमें बालक एवं बालिकाओं सहित पुरुष एवं महिलाओं ने भाग लिया।

माँ सरस्वती एवं माँ दधिमती पूजन के साथ शिविर का आग़ाज़ हुआ। गुरु पूजा एवं सम्मान गीता और सांस्कृतिक मूल्यों अध्ययन शुरु किया गया। ये कक्षा प्रति रविवार माँ दधिमती सेवा धाम दहिमा भवन में सुबह होगी। इच्छुक बालक बालिकाएं पहुंचकर अपना दाखिला करवा सक्ते है। कार्यक्रम में गीता परिवार तमिलनाडु के मुरली वैद्यनाथ, दिनेश चावला, गुरुजन ममता राव, प्रीति बागड़ी सहित माँ दधिमती सेवा धाम के नारायण दाहिमा, कमल तिवारी, अशोक डोबा, गिरधारी सूँठवाल, सुरेंद्र इंटोडिया, सीताराम सुंटवाल, ओमप्रकाश मिसर, मुकेश इंटोडिया सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

गौरतलब है कि राष्ट्र के प्रति समर्पित एवं बालक स्वरूप भगवान की पूजा में मग्न अखंड कार्यरत संगठन गीता परिवार के अनगिनत निष्ठावान कार्यकर्ता एक परम वैभवशाली राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने के लिए कार्य कर रहे हैं। गीता परिवार में संस्कार कार्य सिर्फ़ श्लोक-स्तोत्र पाठ करने तक ही सीमित नहीं है। बल्कि बालकों के शरीर, मन और बुध्दि के सम्पूर्ण विकास से उन्हे 'सम्यक् आकार' अर्थात संस्कार देने का कार्य शहरों व गाँवों में स्थित सैकड़ों केंद्रों में चल रहा है। गीता परिवार करीब 21 राज्यों में 5 लाख बालकों को और तमिलनाडु में करीब 25 हज़ार बालकों को सामाजिक भौतिक और सांस्कृतिक शिक्षा के माध्यम से बोध करवा चुका है। गीता परिवार के कार्य का आधार है श्री रामजन्म भूमि न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष स्वामी श्री गोविंददेवगिरिजी द्वारा दिए गए पंचसूत्र भगवद्भक्ति, भगवद्गीता, भारतमाता, विज्ञान दृष्टि और स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित है।

कल के भरोसे रहने वाले का कल्याण संभव नहीं : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में उत्तराध्ययन सूत्र पर आधारित प्रवचन माला के तहत रविवार को कहा कि इस संसार में मनुष्यत्व की प्राप्ति बेहद कठिन है मनुष्य प्रभु और पशु के बीच की कड़ी है। मनुष्य के भीतर विवेक की प्रतिष्ठा प्रभुता के करीब ले जाती है तो विवेक का अभाव पशु से भी बदतर हालत कर देता है। मनुष्य जन्म तो अनेक बार मिल जाता है मगर मनुष्यता की प्राप्ति अत्यन्त दुर्लभ है। सौभाग्य से हमें मानवता की दुर्लभता के साथ श्रेष्ठ कुल, धर्म का योग मिला है। इस योग का प्रयोग करके जीवन को सार्थक बनाएं। मनुष्य जन्म की सार्थकता धर्म के आचरण में है। धर्म के कार्य में उत्साह जगाएं। जीवन की सफलता का राज आज है। किसी भी शुभ कार्य को कल पर नहीं टालें। जो कल के भरोसे रहता है उसका कल्याण सम्भव नहीं। जीवन आज है अभी है। कौन जाने कल आएगा या काल बनकर आएगा। प्रत्येक पल को अपने जीवन का आखिरी पल मानकर जीओ। ताकि हर पल सावधानी बनी रहे ! जो ढंग से जीते हैं वही ढंग से मर पाते हैं। शांति से जीने वाले ही समाधि मरण का वरण कर पाते हैं ! मनुष्य का जीवन मिट्टी के लौंदे की भांति है। इससे मंगल कलश भी बना सकते हैं और शराब का कुल्हड़ भी। मिट्टी के भीतर दोनों की संभावनाएं हैं । इसी तरह जीवन का विकास भी कर सकते हैं और विनाश भी। जो मनुष्य का तन पाकर मानवोचित गुणों को आत्मसात करते हैं वे ही जीवन को सफल और सार्थक कर पाते हैं। मानव मात्र में मानवता की प्रतिष्ठा का हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

मुनि श्री ने कहा कि परिवार की एकता बनाये रखने के लिए उदारता और सहिष्णुता का गुण को अपनाना बहुत जरूरी है। एक दूसरे के प्रति दिल को विशाल बनाइये। किसी के जीवन में कुछ खूबी और उपलब्धि है तो मुक्त कंठ से उसकी तारीफ कीजिये आपने जीवन में कुछ पाया है तो उसे बाँटना सीखिए यही उदारता का मतलब है। जो उदार होता है उसके जीवन का उद्धार होता है। संकीर्ण मनोवृत्ति के व्यक्ति की सोच स्वार्थी बन जाती है वह व्यक्ति अपने फायदे की बात सोचता है औरों के हित का ख्याल उसके चिंतन में ही नही आता है। इसका परिणाम ये होता है कि धीरे धीरे रिश्तों में तनाव जन्म लेने लगता है प्रेम, शांति खंडित हो जाती है ।

मुनिश्री ने कहा कि सहन करना सीखिए एक दूसरे के अस्तित्व को सहर्ष सम्मान के साथ स्वीकार कीजिये एक दूसरे की बातों को सहन करोगे और पचाने की ताकत रखोगे तभी जीवन में शांति और समरसता आएगी। प्रेम, स्नेह, सहयोग और सह अस्तित्व की भावना पर टिके रिश्ते ही सार्थक जीवन की नींव है। हमारे बीच आदर्शों की ऐसी मीनारें खड़ी है जिनके जीवन की ऊंचाई और गहराई हमारा पथ प्रदर्शन करने में सक्षम है उन आदर्शों को सिर्फ पहचानने की जरुरत है। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि प्रवचन के पूर्व वीर स्तुति व श्री उत्तराध्ययन सूत्र के मूल पाठ का पारायण किया गया। धर्म सभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

जीतो नार्थ लेडीज विंग द्वारा विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन) लेडीज विंग नॉर्थ द्वारा तेरापंथ भवन, गांधीनगर में शनिवार को आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना व मंत्री विजेता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। सह संयोजिका मधु बरलोटा ने गीतिका प्रस्तुत की। संयोजिका अलका लोढ़ा ने मुनिश्री का परिचय दिया। मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा कि जीवन की सरलता तीन सूत्रों में है रहना प्रसन्नता से, सहना समता से और कहना मधुरता से। उन्होंने महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कि भगवान महावीर ने उपसर्गों को सहकर आत्मा की पहचान बनाई, जो हम सभी के लिए प्रेरणा है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.